दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

वर्ष: 2 | अंक: 194 | जयपुर, शनिवार, 24 जून, 2023 | आषाढ़, शुक्ल पक्ष- षष्ठी, विसं 2080 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak | YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

अमेरिका की संसद से दुनिया ने देखी...

अमेरिकी कांग्रेस: संयुक्त सत्र को दो बार संबोधित करने वाले पहले भारतीय पीएम बने मोदी

बुलंद भारत की बुलंद तस्वीर

60 मिनट तक संबोधन

15 बार सम्मान में सीट से उठे सांसद

79 बार बजी तालियां

एजेंसी | वाशिंगटन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को यूएस कैपिटल (अमेरिकी संसद भवन) के विशाल 'प्रतिनिधि सभा चैंबर' में अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। लगभग 60 मिनट लंबे संबोधन के दौरान अमेरिकी सांसदों ने 15 बार अपनी सीट से उठकर तालियां बजाईं। वहीं, भारतीय मूल के अमेरिकी सांसदों ने 'मोदी, मोदी' के नारे लगाए। इसके साथ ही मोदी अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को दो बार संबोधित करने वाले पहले भारतीय नेता बन गए। उन्होंने पहली बार 2016 में अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित किया था। अपना संबोधन शुरू करने से पहले मोदी ने दीर्घा में मौजूद प्रवासी भारतीयों की ओर हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने 'एआई' की भी नई परिभाषा गढ़ते हुए कहा कि 'एआई' का मतलब है अमेरिका और इंडिया।

हजारों बोलियां... फिर भी सुर एक

मोदी ने दोनों देशों के साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और दूरदृष्टि का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में 2,500 से अधिक राजनीतिक दल हैं और देश के विभिन्न राज्यों में 20 अलग-अलग दलों का शासन है। प्रधानमंत्री ने भारत में लोकतंत्र के पतन के आरोपों को सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा, "हमारी 22 आधिकारिक भाषाएं और हजारों बोलियां हैं, फिर भी हम एक सुर में बोलते हैं। भाषण के दौरान सदन में 79 बार तालियां बजाई गईं।

ऑटोग्राफ प्लीज...

लाखों अमेरिकियों की जड़ें भारत में

कांग्रेस के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र के संबोधन के दौरान मोदी ने कहा कि अमेरिका में लाखों लोग हैं, जिनकी जड़ें भारत से जुड़ी हुई हैं। उनमें से कुछ लोग गर्व के साथ इस कक्ष में बैठते हैं। और एक तो यहां मेरे पीछे हैं, जिन्होंने इतिहास रचा है। मोदी उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनी जाने वाली पहली अश्वेत, दक्षिण एशियाई महिला कमला हैरिस का जिक्र कर रहे थे। जैसे ही मोदी कक्ष से बाहर निकलने लगे, कई सांसद उनके आस-पास जमा हो गए, उनसे हाथ मिलाया और उनके भाषण की विशेष प्रतियों पर हस्ताक्षर लिए।

प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन की खास बातें

चीन पर बोला हमला...
हिंद-प्रशांत में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों पर हमला करते हुए कहा कि रणनीतिक रूप से अहम इस क्षेत्र पर 'दबाव और टकराव के काले बादल'छाए हुए हैं। इस क्षेत्र की स्थिरता हमारी प्रमुख चिंताओं में है।

कोई 'अगर-मगर' नहीं
पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि आतंकवाद मानवता का दुश्मन है। इससे निपटने में कोई "अगर-मगर" नहीं हो सकता। दोनों देशों ने आतंकवाद तथा चरमपंथ से लड़ने का संकल्प जताया।

निभाई रूस से दोस्ती
प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन में युद्ध को लेकर कहा कि युद्ध में बड़ी शक्तियों के शामिल होने के कारण, इसके परिणाम गंभीर हैं। मोदी ने कहा, यह युद्ध का समय नहीं है, बल्कि यह संवाद और कूटनीति का दौर है।

UN में बदलाव की बात
संयुक्त राष्ट्र समेत अन्य बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार की पुरजोर वकालत की। अमेरिका के साथ भारत के संबंधों पर कहा कि दोनों देशों के रिश्तों के लिए यह एक नई सुबह है, जो दुनिया की नियति को आकार देगी।

राहुल को नसीहत
अमेरिकी कांग्रेस के सदस्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि देश में विचारों पर वाद-विवाद होना चाहिए, लेकिन राष्ट्र के लिए बोलते समय एकजुटता हो। ये बात राहुल गांधी के विदेशों में केंद्र पर प्रहारों की पृष्ठभूमि में कही।

होनहार, शानदार और धारदार: पीएम

'टेक्नोलॉजी हैंडशेक' कार्यक्रम में पीएम ने कहा अमेरिकी प्रौद्योगिकी और भारतीय प्रतिभा का साथ आना उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है। यह सुबह कुछ ही मित्रों के साथ शुरू हुई है, लेकिन यह उज्ज्वल भविष्य की गारंटी लेकर आई है। उन्होंने इसे "होनहार, शानदार और धारदार" बताया। इससे पहले अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने पीएम मोदी के सम्मान में दोपहर का भोज दिया।

जरूरी खबर

जम्मू में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, 4 आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के माछिल सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास शुक्रवार को चार आतंकवादियों को मार गिराया और घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी। कश्मीर जोन पुलिस ने ट्वीट किया, 'पीओजेके (पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर) से हमारी सीमा में घुसने की कोशिश कर रहे चार आतंकवादी थलसेना और पुलिस के संयुक्त अभियान में कुपवाड़ा के माछिल सेक्टर के काला जंगल में मारे गए।' सुरक्षा बलों ने पिछले शुक्रवार को भी केरन सेक्टर के जुमागुंड क्षेत्र में पांच आतंकवादियों को मार गिराया था और घुसपैठ की कोशिश नाकाम की थी।

युवती से दुष्कर्म और हत्या केस में पुलिसकर्मी बर्खास्त

जयपुर। बीकानेर जिले में दलित युवती से सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के मामले में पुलिस प्रशासन ने कथित संलिप्तता के लिए कांस्टेबल मनोज को बर्खास्त कर दिया है। पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि एक वीडियो में कांस्टेबल मनोज पीड़िता को ले जाते दिखाई देने पर उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है, वहीं निलंबित कांस्टेबल भागीरथ के खिलाफ जांच जारी है। दोनों कांस्टेबल पुलिस हिरासत में है, आरोपी दिनेश बिश्नोई फरार है। दरअसल, कांस्टेबल मनोज और दिनेश बिश्नोई दोनों का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। ■ देखें पेज 4 भी

अब राजस्थान की सियासत में आए हनुमानजी, गहलोत बोले...

कर्नाटक के बाद अब राजस्थान में बजरंग बली सिखा देंगे सबक

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान में जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं, वैसे-वैसे ही सियासी बयानों के नए रंग सामने आ रहे हैं। प्रदेश में सियासी बयानों में कर्नाटक की तर्ज पर बजरंग बली की भी एंट्री हो गई है।

भरतपुर दौरे में रहे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा लोगों की परवाह किए बिना कर्नाटक में बजरंग बली को याद करते रहे। हालांकि बजरंग बली ने भी इनको चुनावों में इस बार सबक सिखा दिया। यहीं राजस्थान में भी होगा। मणिपुर में 100 लोग मारे गए। पीएम और गृहमंत्री चुनाव कैंपेन कर रहे थे, बजरंग बली ने इनको सबक सिखा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक के चुनाव के नतीजों ने देश की जनता को एक संदेश दिया है और अब जनता समझ चुकी है। उन्होंने कहा कि आज अमेरिका में बराक ओबामा बोले हैं, अगर मुझे मोदी जी से बात करने का मौका मिलेगा, तो मैं उन्हें कहूंगा धर्म के नाम पर विभाजन बंद हो। इसके अलावा राहुल गांधी ने भी अपनी यात्रा के दौरान यही संदेश दिया था।

CM ने भाजपा पर लगाया धर्म के नाम पर विभाजन का आरोप

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बोले... पता चल जाएगा घोटा किसके ऊपर घूमेगा

इंदिरा गांधी ने कभी नहीं बनने दिया खालिस्तान: सीएम

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कुम्हेर विधानसभा क्षेत्र के सैंत गांव पहुंचकर महंगाई राहत शिविर का अवलोकन किया और इसके बाद एक जनसभा को भी संबोधित किया। उन्होंने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि जनता ने 25 सांसद जीताकर दिल्ली भेजे, लेकिन उन्होंने कोई काम नहीं किया। सीएम ने कहा कि अमित शाह का दौरा होने के बावजूद मणिपुर में तनाव बना हुआ है। जब तक किसी घटना को गंभीरता से नहीं लिया जाएगा तब तक हालात कंट्रोल में नहीं आएंगे। गहलोत ने कहा कि इंदिरा गांधी ने कभी खालिस्तान नहीं बनने दिया।

अबकी बार बजरंग बली देंगे धोबी पछाड़: शेखावत

सीएम गहलोत के इस बयान के तुरंत बाद केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीपी जोशी ने भी गहलोत को बजरंग बली के बयान पर घेरा। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि गहलोत सरकार ने तुष्टीकरण की नीति के साथ काम किया है। राजस्थान शांत प्रदेश था, लेकिन यहां दंगों पर दंगे हुए। अबकी बार बजरंग बली उन्हें धोबी पछाड़ देंगे। यहां की भ्रष्ट सरकार के विधायकों ने लूट मचा रखी है। वहीं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि चुनावों में मुख्यमंत्री को पता चल जाएगा कि बालाजी का घोटा किसके ऊपर घूमेगा।

सीएम से कार्रवाई करने के लिए कहा

बीजेपी के ज्ञापन पर राज्यपाल का एक्शन

बेधड़क | जयपुर

विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने शुक्रवार को यहां राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात की और राज्य में कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर उन्हें ज्ञापन सौंपा।

राज्यपाल ने इस पत्र को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अग्रेषित करते हुए इसमें उठाए गए बिंदुओं पर समयबद्ध तरीके से प्रभावी कार्रवाई करने के लिए कहा है। राजभवन के बयान के अनुसार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कई सांसदों, विधायकों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ राज्यपाल मिश्र से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राज्य में 'बिगड़ती कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार, महिला एवं दलित उत्पीड़न और आपदा कुप्रबंधन' के संबंध में ज्ञापन दिया। राज्यपाल मिश्र ने जन प्रतिनिधियों द्वारा संज्ञान में लाए गए विषयों को गंभीरता से लेते हुए इस संबंध में मुख्यमंत्री गहलोत को पत्र प्रेषित किया है। मूल ज्ञापन के साथ प्रेषित पत्र में उन्होंने उल्लिखित बिन्दुओं पर समयबद्ध तरीके से प्रभावी कार्रवाई किए जाने के लिए कहा है।

राज्यपाल को ज्ञापन देने के बाद राजभवन के बाहर नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि हमने राज्यपाल से मिलकर ज्ञापन में जो बिंदु उठाए और जो प्रमाण दिए हैं, उस पर सरकार से टिप्पणी लेने और कार्रवाई करने को कहा है।

उपराष्ट्रपति का जयपुर दौरा

जो लोकतंत्र पर सवाल उठा रहे... वे राष्ट्रवाद से कर रहे हैं बदसलूकी

- अब बदल गया भारत, हर सुविधा का मिल रहा है फायदा
- भारत के लोगों में लगातार 24 घंटे मेहनत करने का सामर्थ्य
- आज पूरा विश्व देख रहा है इंडिया के दिमाग की तरफ

बेधड़क | जयपुर

एक दिवसीय दौरे पर जयपुर आए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि अभी कुछ लोग विदेश जाकर भारतीय लोकतंत्र पर सवाल उठा रहे थे। वह भारत के लोकतंत्र को जीवंत नहीं बता रहे थे। यह सुनकर मुझे बहुत पीड़ा हुई। मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में नीति सभागार में कार्यक्रम को संबोधित करते उन्होंने कहा कि भारत एकमात्र देश है, जो पूरी तरह लोकतंत्र पर चलता है। गांव, पंचायत, जिला परिषद्, विधानसभा से लेकर संसद तक हम लोकतंत्र के आधार पर ही चल रहे हैं। बाहर जाकर जो इस तरह बात करता है। वह राष्ट्रवाद के साथ बदसलूकी कर रहा है, वहीं धनखड़ ने पीएम नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा पर कहा कि वहां भारतीय पीएम की मौजूदगी बहुत प्रभावशाली है। अब हम वैश्विक नेतृत्व के बराबर हैं। अब हमारा देश बदल गया हैं। हर सुविधा का देश में फायदा मिल रहा हैं।

हमारा डिजिटल ट्रांसफर 1.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचा

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि जिस प्रकार प्रधानमंत्री का अमेरिका में स्वागत हुआ और उनके भाषण को सराहा गया। वह आज के भारत के उज्जवल भविष्य को दर्शाता है। आप बहुत भाग्यशाली हैं कि आप ऐसे समय के साक्षी है जब भारत उदय हो रहा है। ऐसा पहले कभी नहीं देखा गया। यह अब रुकने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि साल 2020 में हमारा डिजिटल ट्रांसफर न के बराबर था। अमेरिका, फ्रांस और विकसित देशों के मुकाबले हम बहुत पीछे थे। 2022 में हमारा डिजिटल ट्रांसफर 1.3 ट्रिलियन डॉलर का रहा। इससे फर्क नहीं पड़ता कि अंक कितने हैं, लेकिन आज हम अमेरिका के डिजिटल ट्रांसफर से आगे हैं।

भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि आज हमारा देश दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। 2047 में हम दुनिया में सबसे आगे होंगे। सभी देश भारत की ओर देख रहे हैं। हम एकलव्य हैं। भारत के लोगों का सामर्थ्य है कि 24 घंटे लगातार मेहनत कर सकते हैं।

नशे से दूर रहे युवा तो भारत करेगा तरक्की

उपराष्ट्रपति ने विद्यार्थियों को नसीहत दी कि आप तनाव को हमेशा दूर रखें। अपने विचारों को लागू करें। आप यह कर लेंगे तो जीवन में सफलता अवश्य मिलेगी। मेहनत का कोई तोड़ नहीं है। विद्यार्थियों को व्यसनों और नशे से दूर रहना होगा तभी भारत तरक्की करेगा। ■ पेज 5 भी देखें

जरूरी खबर

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. जोशी का लंदन में स्वागत

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी का लंदन पहुंचने पर राजस्थान एसोसिएशन ऑफ यूके के पदाधिकारियों ने स्वागत किया। डॉ. जोशी ने यूके में रह रहे प्रवासी राजस्थानियों से मुलाकात की और उनसे परिचय लिया। इस अवसर पर विधानसभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा भी मौजूद रहे। जोशी ने शुक्रवार को लंदन में सीपीए के महासचिव स्टीफेन ट्विग से सीपीए मुख्यालय में मुलाकात की। स्पीकर जोशी ने महासचिव को राजस्थान विधानसभा में सीपीए के माध्यम से किए गए विभिन्न सम्मेलनों व कार्यक्रमों की जानकारी दी।

आउट ऑफ टर्न मिलेगी खिलाड़ियों को नौकरी

जयपुर। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की ओर से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में पदक विजेता खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न पॉलिसी के तहत सरकारी नौकरी देने के लिए कमेटी ने सूचियां खेल विभाग भेज दी है। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की अध्यक्ष पदमश्री डॉ. कृष्णा पूनिया ने कहा कि खिलाड़ियों को रोजगार से जोड़ने के मुख्यमंत्री की ओर से शुरू की गई पहल के चलते राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न पॉलिसी के तहत नौकरी देने का काम राज्य सरकार की ओर से किया जा रहा है। इसी के चलते पूर्व 200 से अधिक सामान्य व पैरा खिलाड़ियों को नौकरी दी जा चुकी है।

सीएम गहलोत से मिले स्वामी महेश्वरानंद

जयपुर। महामंडलेश्वर स्वामी महेश्वरानंद ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से उनके निवास पर मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने ओम आश्रम के बारे में जानकारी ली। सचिव कपिल अग्रवाल ने बताया ओम आश्रम का कार्य जल्दी ही पूरा हो जाएगा। सितंबर या अक्टूबर के महीने में उसका उद्घाटन होगा। स्वामी ज्ञानेश्वर पुरी ने बताया कि उद्घाटन समारोह में देश-विदेश के कई गणमान्य लोग शामिल होंगे। इस मौके पर अवतार पुरी, साध्वी उमा पुरी, सचिव कपिल अग्रवाल, महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानेश्वर पुरी भी मौजूद रहे।

धारीवाल के बयान से हलचल: भाजपा ने कहा- अपनी ही सरकार के मंत्री, विधायकों को लायक नहीं मानती सरकार

खाचरियावास बोले- धारीवाल की आदत झूठे बयान देने की

■ धारीवाल ने कहा था जनप्रतिनिधियों के कारण जयपुर का विकास बाधित

बेधड़क | जयपुर

नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल के जयपुर के विकास में बाधक जनप्रतिनिधियों वाले बयान से कांग्रेस और भाजपा के सियासी गलियारों में हलचल बढ़ गई है।

कैबिनेट मंत्री धारीवाल ने गुरुवार को उदयपुर में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत चल रहे एक कार्यक्रम में इसी प्रोजेक्ट के तहत जयपुर में चल रहे काम को लेकर

तंज कसा। इसके बाद विवाद पैदा हो गया। उनके बयान को लेकर खाद्य नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने कहा कि झूठे बयान देना धारीवाल की आदत है और वो ऐसे बयान देकर माहौल बनाते हैं।

उन्होंने कहा कि धारीवाल ने कोटा का विकास करने में पूरा दम लगाया, लेकिन जयपुर के तीन मंत्री और छह विधायकों में दम है जिनके चलते ही यहां मेट्रो से लेकर अंडरपास आए और जयपुर में बीसलपुर का पानी आया।

कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि जयपुर में काम किसी एक मंत्री की मेहरबानी से नहीं हुआ है। यहां सरकार में ताकत है और मुख्यमंत्री गहलोत के नेतृत्व में हर विधायक और मंत्री को बराबर के अधिकार हैं। वहीं मंत्री ने कहा कि धारीवाल को पार्टी ने काफी कुछ दिया है और उन्हें ऐसे बयान नहीं देने चाहिए जो सरकार और पार्टी के विरोध में होते हैं।

धारीवाल ने दिया था ये बयान

यूडीएच मंत्री ने गुरुवार को कहा था कि राजधानी जयपुर के विकास में यहां के जनप्रतिनिधियों को बाधा बताते हुए कहा है कि जयपुर में सरकार में तीन मंत्री और 6 विधायक हैं जो कि सबसे बड़ी प्रॉब्लम है। धारीवाल ने कहा था कि मंत्री और विधायकों में आपसी विवाद के कारण काम में देरी हो जाती है लेकिन अगर फैसला लेने वाला कोई एक आदमी हो तो काम समय पर पूरा हो सकता है। इधर धारीवाल के गुरुवार को दिए बयान पर खाचरियावास ने पलटवार करते हुए कहा कि उनकी झूठे बयान देने की आदत है और वह झूठे बयान देकर माहौल बनाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि जयपुर विकास में बहुत पीछे ना होकर एक नंबर है।

'दूसरों पर ठीकरा फोड़ मंत्री अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकते'

धारीवाल के बयान पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने विधायकों को नाकारा और निकम्मा तक कहते हैं। ऐसे में अगर मुख्यमंत्री के सबसे करीबी मंत्री शांति धारीवाल अपनी ही सरकार के मंत्री और विधायकों को लायक नहीं मानते हैं तो इसमें बड़ी कोई बात नहीं है। यह वही मंत्री हैं, जिन्होंने राजस्थान में बच्चियों और महिलाओं के साथ हो रहे दुराचार को लेकर कहा था कि यह मर्दों का प्रदेश है। जोशी ने कहा कि शांति धारीवाल सिर्फ कोटा के मंत्री नहीं है, बल्कि पूरे राजस्थान के मंत्री हैं। उनके मंत्री रहते जयपुर में विकास नहीं हो रहा है तो इसके लिए शांति धारीवाल ही जिम्मेदार है। अगर जयपुर में डेवलपमेंट नहीं हो रहा है तो यह शांति धारीवाल का फेलियर है।

भ्रष्टाचार को लेकर सदन से सड़क तक सरकार को घेरने की रणनीति

BJP ने राजभवन तक निकाला मार्च, आंदोलन को लेकर चर्चा

■ प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने कहा, जल्द ही आएगी पदाधिकारियों की नई टीम

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश की गहलोत सरकार पर भ्रष्टाचार, महिला एंव दलित उत्पीडन, पेपर लीक और बदहाल कानून व्यवस्था का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को भाजपा नेताओं ने राजभवन तक पैदल मार्च निकाल कर राज्यपाल कलराज मिश्र को ज्ञापन सौंपा।

राजभवन मार्च से पहले भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी और नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड ने इन सभी मुद्दों पर सांसदों और विधायकों को संबोधित भी किया। मार्च में पार्टी के विधायक और सांसद बड़ी संख्या में मौजूद रहे। इसके बाद भाजपा की कोर कमेटी की बैठक हुई जिसमें आने वाले समय में सरकार को सड़क से सदन तक घेरने की रणनीति और आने वाले समय में पार्टी के केन्द्रीय नेताओं के दौरे को लेकर चर्चा की गई।

इस मौके पर प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार, बलात्कार, दलित उत्पीडन, रीट भर्ती घोटाला, जलजीवन मिशन घोटाला सहित सैंकडो ऐसे घोटाले और जनविरोधी काम हैं जिनसे

प्रदेश की प्रतिष्ठा धूमिल हो गई है। बीकानेर के खाजूवाला में दलित युवती से दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में गहलोत सरकार आरोपियों को गिरफ्तारी से बचा रही है। पुलिस के आला अधिकारी गिरफ्तारी के बजाय आरोपियों को दो दिन तक हिरासत में रखती है।

जिस पुलिस पर रक्षा और सुरक्षा का जिम्मा है वह खुद रक्षक बनकर भक्षक का काम कर रही है। कांग्रेस 2018 विधानसभा चुनाव के घोषणा पत्र में किए सभी वादों से मुकर गई झूठ और लूट की इस सरकार का खामियाजा जनता भुगत रही है। जोशी ने कहा कि भाजपा की नई प्रदेश टीम जल्द ही आएगी।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री एवं सांसद दिया कुमारी, राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़, राजेन्द्र गहलोत, घनश्याम तिवाड़ी, किरोड़ी लाल मीणा, रामचरण बोहरा, निहालचंद मेघवाल, रंजीता कोली, बाबा बालकनाथ, सुमेधानंद सरस्वती, मनोज राजौरिया, सुखबीर सिह, जसकौर मीणा, मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक रामलाल शर्मा, कालीचरण सराफ, दिप्ती माहेश्वरी, शोभा चौहान, सुर्याकान्ता व्यास, मदन दिलावर, संजय शर्मा, मनजीत चौधरी और भाजपा प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा सहित भाजपा पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सरकार को हर मोर्चे पर घेरेंगे

गहलोत सरकार पर आरोप लगाते हुए नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री की सरपरस्ती में भ्रष्टाचार का तांडव है, जिसमें आईटी घोटाला, खान घोटाला, जल जीवन मिशन घोटाला, पेपर लीक सहित अन्य घोटाले शामिल हैं। लम्पी वायरस के नाम पर सरकार 70 हजार से ज्यादा पीडित पशुपालकों को मुआवजा देने की घोषणा करती है, लेकिन मुआवजा देने के समय यह संख्या घटकर महज 42 हजार हो जाती है। खाजूवाला में पुलिसकर्मी दलित युवती से दुष्कर्म के बाद हत्या के आरोपी के रूप में नामजद होते हैं। राठौड़ ने विधायकों से कहा कि आगामी जुलाई माह के दूसरे सप्ताह में मानसून सत्र बुलाया जाएगा। यह सत्र महज सात से आठ दिन का होगा, जिसमें हमें एकजुट होकर भ्रष्टाचार और महिला एंव दलित उत्पीडन के मामलों को प्रमुखता से उठाना है।

कोर कमेटी की बैठक

भाजपा प्रदेश मुख्यालय में शुक्रवार को कोर कमेटी की बैठक हुई। इसमें कोर कमेटी सदस्य प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, कैलाश चौधरी, राज्यसभा सांसद ओम माथुर, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां मौजूद रहे। प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने कहा कि बैठक में महासम्पर्क अभियान से लेकर अनेकों योजनाओं को लेकर चर्चा हुई। अभियान के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के प्रवास कार्यक्रम भी होंगे। जोशी ने कहा कि बदहाल कानून व्यवस्था, महिला एवं दलित उत्पीडन, भ्रष्टाचार, आपदा प्रबंधन, रीट एवं योजना आयोग में नकदी मिलने जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरा जाएगा।

गोडावण प्रजनन केंद्र की अनदेखी पर...

कांग्रेस विधायक भरत सिंह ने वाइल्ड लाइफ बोर्ड से दिया इस्तीफा

बेधड़क | जयपुर

कांग्रेस नेता और कोटा के सांगोद से विधायक भरत सिंह कुंदनपुर ने प्रदेश वाइल्ड लाइफ बोर्ड सदस्य के पद से इस्तीफा दे दिया है। विधायक ने अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री अशोक अशोक गहलोत को पत्र लिखकर भेजा है। विधायक ने पद छोड़ने के पीछे अंता क्षेत्र में गोडावण प्रजनन केंद्र की अनदेखी पर नाराजगी जाहिर की है।

भरत सिंह वन्य जीव संरक्षण को लेकर लंबे समय से काम करते रहे हैं। वहीं अपने इस्तीफे में विधायक ने लिखा है कि प्रदेश के वाइल्ड लाइफ बोर्ड का अध्यक्ष मुख्यमंत्री होता है और मुख्यमंत्री होने के नाते वाइल्ड लाइफ के संरक्षण में आपकी रुचि नहीं दिखाई देती है। वाइल्ड लाइफ बोर्ड की बैठकें भी प्रदेश में समय पर नहीं होती हैं और आपने सीएम रहते हुए कभी भी घोषित मुकंदरा टाइगर रिजर्व पार्क का अवलोकन नहीं किया है।

सिंह ने अपने इस्तीफे में कहा है कि हाल में सीएमओ की स्वीकृति से वन विभाग के 39 आईएफएस के तबादले कर दिए गए। इस पर मैंने वन मंत्री से फोन पर बात की तो उनका कहना था कि सीएमओ की ओर से बिना चर्चा किए यह तबादले किए गए हैं जो कि काफी खेदजनक है।

गोडावण संरक्षण पर नहीं दिया गया ध्यान

वहीं सिंह ने इस्तीफे में लिखा है कि 2018-19 की बजट घोषणा के अनुसार अन्ता में गोडावण प्रजनन केन्द्र का विकास होना था, लेकिन अंता के विधायक एवं प्रदेश के भ्रष्ट मंत्री को आपने संरक्षण प्रदान कर गोडावण के संरक्षण काम को अंगूठा दिखाकर अपने पहले बजट घोषणा में राज्य पक्षी गोडावण की हवा निकाल दी है।

बीएलएमसीएल संचालक मण्डल की बैठक दिए निर्देश

सीपेज पानी का होगा औद्योगिक उपयोग

बेधड़क | जयपुर

उद्योग भवन में राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम बीएलएमसीएल की 66वीं संचालक मण्डल की बैठक शुक्रवार को एसीएस माइंस वीनू गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित हुई। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम, उद्योग व एमएसएमई वीनू गुप्ता ने कपूरडी और जालीपा माइंस में सीपेज के करीब 5.51 एमएलडी अतिरिक्त जल का शोधन कर औद्योगिक उपयोग की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बाड़मेर लिग्नाइट माइनिंग कंपनी की सीएसआर गतिविधियों में

विस्तार करने की आवश्यकता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि माइंस में सीपेज से उपलब्ध पानी को शोधित कर औद्योगिक उपयोग में लिया जाता है तो यह पानी का सदुपयोग होगा।

उन्होंने इसके लिए केन्द्रीय भूजल विभाग सहित संबंधित विभागों से समन्वय बनाते हुए नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई करने को कहा है। उन्होंने बताया कि दोनों माइंस में 22.96 एमएलडी पानी का सीपेज है। इसमें से अन्य उपयोग के बाद कपूरडी माइंस से 3.98 एमएलडी और जालीपा माइंस से 1.53 एमएलडी सीपेज पानी अतिरिक्त उपलब्ध होगा।

उन्होंने बताया कि करीब 500 टीडीएस के इस पानी को शोधित कर औद्योगिक उपयोग के योग्य बनाया जा सकता है। इससे क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों के लिए पानी की उपलब्धता बन सकेगी।गुप्ता ने बीएलएमसीएल की सीएसआर गतिविधियों में और अधिक विस्तार करने की आवश्यकता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे एक और जहां कॉरपोरेट सोशियल दायित्व की पूर्ति होगी। वहीं जनहित के कार्य संपादित हो सकेंगे।

सीएसआर कमेटी में एमडी आरएसएमएमएल संदेश नायक को सम्मिलित किया गया है। बैठक में वित्त (बजट) सचिव रोहित गुप्ता, एमडी आरएसएमएमएल संदेश नायक, जेएसडब्ल्यू के प्रशांत जैन, रुपा देवी सिंह, सुनील दत्त व्यास, कंपनी सचिव नीतेश गंगवाल सहित अधिकारी मौजूद रहें।

मरीज के सहयोगी को मिलेगा 1 लाख तक का हवाई यात्रा खर्च

चिरंजीवी योजना से प्रदेश के बाहर भी मिलेगा अंग प्रत्यारोपण का लाभ

बेधड़क | जयपुर

अब प्रदेशवासी मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना से राजस्थान के बाहर भी अंग प्रत्यारोपण की सुविधा का लाभ ले सकेंगे। इसके साथ ही मरीज के साथ जाने वाले एक सहयोगी को आवागमन के लिए 1 लाख रुपए तक की हवाई यात्रा का खर्च भी सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

इस संबंध में राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी ने शुक्रवार को दिशा निर्देश जारी किए हैं। इधर अतिरिक्त मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, शुभ्रा सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के लाभार्थी परिवारों को राज्य के बाहर सहित किसी भी अस्पताल में पैकेज की सीमा राशि तक अंग प्रत्यारोपण के 37 पैकेजेज पर व्यय राशि का पुनर्भरण किए जाने का प्रावधान है, जो 1 अप्रैल 2023 से प्रभावी है। इसके तहत लीवर, किडनी, फेफड़े, हृदय, बोन मैरो तथा कॉकलियर इंप्लांट कवर है।

उन्होंने बताया कि सम्बन्धित अंग प्रत्यारोपण के उपचार के लिए नेशनल-स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन की ओर से अधिकृत एवं मान्यता प्राप्त अस्पताल में उपचार के बिल ही मान्य होगें। गौरतलब है कि प्रदेशवासियों को राजकीय अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं पूर्णतः निशुल्क दी जा रही हैं।

भरतपुर को सौगात: 21.08 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास

कई योजनाएं ऐसी, जो राजस्थान के अलावा किसी भी राज्य में नहीं: CM

■ रंधावा ने कहा- अब कहां गई UPA राज में सिलेंडर लेकर घूमने वाली स्मृति

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और राजस्थान कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा शुक्रवार को एक दिवसीय भरतपुर दौरे पर पहुंचे। सीएम गहलोत ने 16.30 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का शिलान्यास और 4.78 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण कर हर वर्ग तक राहत पहुंचाई। इस दौरान मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार जनभावना के अनुरूप सभी वर्गों के विकास के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही हैं। राजस्थान चहुंमुखी विकास के कारण देशभर में मॉडल स्टेट बनकर उभरा है।

उन्होंने कहा कि राज्य की अनूठी योजनाओं की देशभर में चर्चा है। कई योजनाएं ऐसी हैं जो राजस्थान के अलावा देश के किसी भी राज्य में संचालित नहीं हैं। गहलोत ने कुम्हेर तहसील के सैंत गांव में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि डीग को जिला बनाने से क्षेत्र में प्रशासनिक इकाइयों का विकेन्द्रीकरण होगा और लोगों को अपने कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। देशभर में लगातार बढ़ रही महंगाई को लेकर कांग्रेस लगातार केंद्र सरकार पर जुबानी हमला बोल रही है। राजस्थान कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि यूपीए राज में सिलेंडर पर 5 से 10 रुपए बढ़ने पर तो स्मृति ईरानी सिलेंडर लेकर घूमती थी, लेकिन मोदी राज में सिलेंडर की कीमतों में लगातार ईजाफा हो रहा है।

आज हालात यह है कि सिलेंडर की कीमत 1100 रुपए पार कर गई है, लेकिन यूपीए राज में सिलेंडर लेकर घूमने वाली स्मृति ईरानी अब कहां है? रंधावा ने कहा राजस्थान में जब-जब भी कांग्रेस की सरकार आई है, पेंशन बढ़ी है। भाजपा राज में कभी पेंशन में बढ़ोतरी नहीं की गई।

ये विकास कार्य भी जल्द होंगे शुरू

सीएम गहलोत ने कहा कि जल्द ही भरतपुर में महाराजा सूरजमल पैनोरमा और राजकीय संग्रहालय का कार्य शुरू किया जाएगा। राज्य सरकार ने रानी अवंती बाई लोधी विकास बोर्ड का गठन करने की घोषणा भी की है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सैंत का नामकरण रानी अवंती बाई लोधी के नाम पर करने और इस विद्यालय में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का परीक्षा केन्द्र स्थापित करने, सैंत में अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने की घोषणा की। स्थानीय लोगों ने डीग को नवीन जिला बनाने के लिए मुख्यमंत्री का स्वागत और अभिनन्दन किया। सीएम ने महंगाई राहत केंप में लाभार्थियों से संवाद किया। कार्यक्रम में पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मंत्री रमेशचन्द मीणा, तकनीकी शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग, विधायक वाजिब अली सहित अधिकारी और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

भरतपुर में साढ़े चार साल में विकास की कई सौगातें

मुख्यमंत्री ने कहा कि भरतपुर जिले में पिछले साढ़े चार साल में अभूतपूर्व विकास हुआ है। डीग को नया जिला घोषित किया गया है। जिले में 2 नवीन उपखण्ड, 6 नवीन तहसील, 6 नवीन उप तहसील और 2 नई नगर पालिकाएं बनाई गई हैं। साथ ही लगभग 250 करोड़ रुपए की लागत से 67 उप स्वास्थ्य केन्द्र, 22 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 18 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और 2 उप जिला अस्पताल खोले गए हैं। इसी प्रकार 150 करोड़ रुपए की लागत से आरबीएम अस्पताल में नया ब्लॉक बनाया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि जिले में 119 महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल, 15 आवासीय छात्रावास बन रहे हैं और 21 विभिन्न कॉलेज खोले गए हैं। 10 नए खेल स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है, इससे क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त होंगे। 400 केवी और 220 केवी के एक-एक 132 केवी के चार और 33 केवी के 13 विद्युत ग्रिड सब स्टेशन बनाए जा रहे हैं। डीग-कुम्हेर तक चम्बल का पानी पहुंचाने का काम चल रहा है।

जरूरी खबर

श्री सीमेंट ग्रुप पर आयकर छापे की कार्रवाई जारी

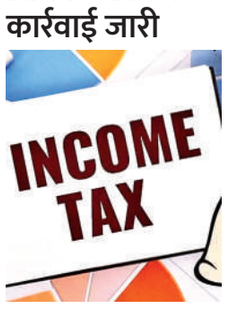

जयपुर। श्री सीमेंट के ब्यावर, नसीराबाद, रास और गुड़गाव कार्यालयों में आयकर की रेड जारी रही। सूत्रों से मिली जानकारी के इन छापों में श्री सीमेंट ग्रुप की भारी वित्तीय अनियमितताएं सामने आ रही हैं। इसी के आधार पर कार्रवाई का दायरा भी बढ़ता जा रहा है। आयकर विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्रुप पर सख्ती के बाद गुरुवार देर रात कुछ दस्तावेज कंपनी ने प्रस्तुत किए हैं। श्री सीमेंट ग्रुप के कॉपीराइट गाइड लाइन के उल्लंघन की जानकारी भी सामने आ रही है। वहीं, पैसों के लेनदेन में भी अनियमितता सामने आने के बाद आयकर विभाग ने कुछ और एजेन्सियों को जांच के लिए पत्र लिखा है।

लापरवाही बरतने वाले 5 बीएलओ निलंबित

जयपुर। मतदाता सूचियों के द्वितीय विशेष पुनरीक्षण के कार्य में लापरवाही बरतने वाले 5 बीएलओ को निलंबित कर दिया गया। मालवीय नगर रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी रामानन्द शर्मा ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र मालवीय नगर के बीएलओ भाग संख्या 6, 11, 12, 20 एवं 138 को घर-घर जाकर मतदाताओं के सत्यापन का कार्य दिया गया था, जिसमें विफल रहने एवं चुनाव संबंधी आदेशों की अवहेलना करने पर उक्त बीएलओ को निलंबित कर दिया गया है। उनका कहना है कि निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार मतदाता सूचियों के त्रुटिरहित प्रकाशन, नवीन मतदाताओं के पंजीकरण, आधार कार्ड को एपिक कार्ड से लिंक कराने इत्यादि कार्यों हेतु वर्तमान में द्वितीय विशेष पुनरीक्षण का कार्य प्रगति पर है।

जमवारामगढ़ में मुख्यमंत्री ने किया 243.97 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास

लबालब होगा रामगढ़ बांध, बीसलपुर-इसरदा से लाएंगे पानी

बेधड़क | जयपुर

जयपुर जिले के जमवारामगढ़ क्षेत्र स्थित भानपुर कलां गांव में शुक्रवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पहुंचे। उन्होंने कहा कि ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट पूर्वी राजस्थान के लिए महत्वपूर्ण हैं। इससे जयपुर समेत पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों को लाभ होगा। देश में पानी की 16 राष्ट्रीय परियोजनाएं संचालित हैं।

केन्द्र सरकार को अपना वादा निभाते हुए ईआरसीपी को भी राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि ईसरदा बांध से पानी लाकर रामगढ़ बांध को भरने की योजना है। वहीं, बीसलपुर से पानी लाकर रामगढ़ बांध को भरने पर भी राज्य सरकार विचार कर रही है।

इसके लिए अधिकारियों को सर्वे करने के निर्देश दिए गए हैं। गहलोत ने कहा कि बीसलपुर के पानी से रामगढ़ बांध को भरने की योजना पर काम जारी है। रामगढ़ बांध और क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। इस दौरान महंगाई राहत कैम्प और प्रशासन गांवों के संग अभियान के तहत आयोजित शिविर का अवलोकन किया। साथ ही सीएम ने 243.97 करोड़ लागत के विकास कार्यों के लोकार्पण व शिलान्यास किए। उन्होंने कैम्प के अवलोकन के दौरान लाभार्थियों से बातचीत कर योजनाओं के बारे में फीडबैक लिया।

जमवारामगढ़ क्षेत्र में हुए विकास के कार्य

गहलोत ने कहा कि जमवारामगढ़ क्षेत्र में चहुंमुखी विकास के लिए पिछले साढ़े चार साल में कई कार्य हुए हैं। राज्य सरकार द्वारा आंधी में 2 महाविद्यालय, ताला में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं जमवारामगढ़ में उप जिला अस्पताल खोला गया है। वहीं, आंधी में तहसील, ताला में उप तहसील और जमवारामगढ़ में बिजली विभाग के अधिशाषी अभियंता का कार्यालय खोला गया है। जमवारामगढ़ में कृषि उपज मंडी के लिए भूमि आवंटित की जा रही है। साथ ही औद्योगिक क्षेत्र खोलने के लिए भूखंड आवंटन भी प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा कि जमवारामगढ़ में खेल स्टेडियम बनाया जा रहा है और ईसरदा बांध से जमवारामगढ़ में पानी लाने के लिए डीपीआर बनाई जा रही है।

महिलाएं छोड़ें संकोच

गहलोत ने कहा कि सरकार महिलाओं को बेहतर वातावरण देने के लिए प्रतिबद्ध है। माहवारी स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए 600 करोड़ की उड़ान योजना लागू की गई है। महिलाओं को संकोच छोड़कर इस पर खुलकर बात करनी चाहिए। कार्यक्रम में कृषि मंत्री लालचन्द कटारिया, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री राजेन्द्र यादव, सुखजिंदर सिंह रंधावा, जमवारामगढ़ विधायक गोपाल लाल मीना और शाहपुरा विधायक आलोक बेनीवाल सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और आमजन उपस्थित रहे।

SMS अस्पताल: 5 हार्ट ट्रांसप्लांट, 12 महीने भी नहीं जी पाए 4 लोग

‘दूसरे के दिल’ से सालभर जीने वाले का होगा सम्मान

हिमांशु शर्मा | बेधड़क

जयपुर। सवाई मानसिंह अस्पताल प्रशासन शनिवार को एक ऐसे व्यक्ति का सम्मान करने जा रहा है, जिसने अस्पताल में हार्ट ट्रांसप्लांट किए जाने के बाद ‘दूसरे के दिल’ से अपने जीवन का एक साल पूरा कर लिया है।

सक्सेस केस का यह सेलेब्रेशन मेडिकल सभागार में होगा। हालांकि, इसे बड़ी सफलता नहीं कहा जा सकता। कारण कि एसएमएस अस्पताल में अब तक पांच लोगों के हार्ट ट्रांसप्लांट किया गया, जिनमें से चार लोग एक साल भी नहीं जी पाए।

शुभ्रा सिंह होंगी मुख्य अतिथि

मेडिकल सभागार में होने वाले कार्यक्रम में एसीएस स्वास्थ्य शुभ्रा सिंह मुख्य अतिथि होंगी। वहीं, प्रिंसीपल सेक्रटरी सोशल जस्टिस डॉ.समित शर्मा, कमिश्नर मेडिकल एज्यूकेशन शिवप्रकाश नकाते, एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजीव बगरहट्टा, सोट्टो के ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ. अमरजीत मेहता सहित कई स्वयंसेवी संस्थाएं भाग लेंगी।

अभी प्रदेश में 62 मरीजों को है हार्ट डोनर का इंतजार

राजस्थान में अब तक कुल 9 हार्ट ट्रांसप्लांट किए गए हैं, जिसमें से आधे से ज्यादा कुल 5 प्रत्यारोपण अकेले एसएमएस में हुए हैं। इनमें से 4 मरीज दिल लगवाने के बाद एक साल तक भी जीवित नहीं रह सके। सिर्फ एक ही मरीज का दिल ट्रांसप्लांट के बाद एक साल तक धड़का, जिसका शनिवार को कार्यक्रम में सम्मान किया जा रहा है। हालांकि, अभी भी प्रदेश में 62 मरीज ऐसे हैं जिन्हें कोई हार्ट डोनर चाहिए। अभी यह हार्ट के इंतजार में हैं।

सक्सेस रेट न के बराबर

चिकित्सा की दुनिया में अंग प्रत्यारोपण आसान काम नहीं है। पहले तो दानकर्ता की खोज, जिसका अंग को मरीज को लगाया जा सके। इसमें भी ट्रांसप्लांट के लिए हार्ट मिलना हमेशा बड़ी चुनौती रहा है। हार्ट टांसप्लांट के लिए दिल दान वही कर सकता जिसका ब्रेन डेड हो जाता है और उसकी मौत कुछ घंटों बाद निश्चित होती है। ऐसे में उसके परिजन हार्ट डोनेट करने को तैयार हों तो दिल ऐसे मरीज के लिए उपलब्ध हो सकता है जिसको हार्ट की आवश्यकता होती है। इसमें भी एक बड़ी सच्चाई यह है कि इन तमाम तकनीकी मुश्किलों को पार करने के बाद अगर दिल किसी को लगा दिया जाता है तो वह लंबे समय तक धड़कता नहीं है, क्योंकि इसकी सक्सेस रेट न के बराबर है

...उनके सम्मान में कार्यक्रम

हार्ट ट्रांसप्लांट के बाद मरीज अधिकतम 9 वर्ष तक जिंदा रह पाया है। बहुत कम लोग होते हैं जो इतनी उम्र तक सर्वाइव कर पाते हैं। एसएमएस में ट्रांसप्लांट के बाद एक व्यक्ति है, जिन्होंने जीवन का एक वर्ष पूरा कर लिया है। उनके सम्मान में यह कार्यक्रम किया जा रहा है। पूरे देश में ही हार्ट ट्रांसप्लांट की सक्सेज रेट कम है।

डॉ.संजीव देवगढ़ा, , कार्डियो थोरेसिक, वैस्कुलर सर्जरी, विभाग, एसएमएस अस्पताल

CDS जनरल अनिल चौहान का दौरा

सैनिक उभरते साइबर खतरों और जवाबी उपायों से रहें अपडेट

बेधड़क | जयपुर

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को जयपुर स्थित दक्षिण-पश्चिमी कमान का दौरा किया। दक्षिण पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल बीएस राजू ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत की। उन्होंने दक्षिण पश्चिमी कमान से संबंधित ऑपरेशनल पहलुओं पर भी चर्चा की। सीडीएस ने अपने संबोधन के दौरान सभी अधिकारियों को संयुक्त कौशल को मजबूत करने, संसाधन आवंटन को अनुकूलित करने और सशस्त्र बलों में तालमेल और सैन्य बलों में परिवर्तन के महत्व पर प्रकाश डालने के लिए अनुकूल वातावरण को तैयार करने पर जोर दिया।

उन्होंने सभी से वर्तमान युग में तैयार और प्रासंगिक रहने का आग्रह किया और आत्मनिर्भरता की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। चौहान ने इस बात पर भी जोर दिया कि सैनिकों को सूचना प्रौद्योगिकी के नवीनतम रुझानों, उभरते साइबर खतरों और जवाबी उपायों से खुद को अपडेट रखना चाहिए। उन्होंने ऑपरेशनल तत्परता के लिए कमान की सराहना की और सभी रैंकों को उत्कृष्टता के लिए प्रयास जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खबर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें ।

शिक्षा विभाग ने जारी किया शिविरा पंचांग

242 कार्य दिवस का शैक्षणिक सत्र

बेधड़क | जयपुर

शिक्षण सत्र 2023-24 में कुल 242 कार्य दिवस (बस्ता मुक्त दिवस सहित) रहेंगे। वहीं, मध्यावधि अवकाश 07 से 19 नवम्बर, 2023 तक रहेगा। माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से शुक्रवार को शिक्षण सत्र 2023-24 के लिए जारी किए गए शिविरा पंचाग में यह जानकारी दी गई है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक काना राम ने बताया कि प्रत्येक शनिवार ‘नो बैग डे’ रहेगा। इसमें प्रथम से लेकर अंतिम शनिवार तक अलग अलग थीम पर आयोजन होगा। वहीं ‘नो बेग डे’ कक्षाओं के अनुसार न होकर समूह आधारित गतिविधियों पर आयोजित होंगे।

ऐसे चलेगा सत्र

प्रथम प्रवेशोत्सव -	01 मई से 16 मई तक (सम्पन्न हो चुका)
द्वितीय प्रवेशोत्सव -	26 जून 15 जुलाई तक
अर्द्धवार्षिक परीक्षा -	11 दिसंबर से 23 दिसम्बर तक
शीतकालीन अवकाश -	25 दिसंबर से 05 जनवरी तक
वार्षिक परीक्षाओं का आयोजन -	08 अप्रैल से 25 अप्रैल तक
स्थानीय परीक्षा परिणाम -	30 अप्रैल को घोषित होगा
जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन -	13 से 14 अक्टूबर तक
राज्य स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन -	19 से 20 जनवरी
ग्रीष्मावकाश -	17 मई से 23 जून तक

भानपुर कलां में हुई सभा में लापरवाही का मामला

CM को गुमराह करने वाली RAS निलंबित

बेधड़क | जयपुर

जमवारामगढ़ के भानपुर कलां में शुक्रवार को हुई मुख्यमंत्री की सभा में टेंट की व्यवस्था को लेकर लापरवाही पर जेडीए उपायुक्त स्टोर अनिता खटीक और स्टोर शाखा के केयर टेकर मोहन लाल रैगर को निलंबित कर दिया है। दोनों ने मुख्यमंत्री गहलोत को भानपुर कलां में अंधड़ से सभास्थल का टेंट के गिरने की झूठी सूचना दी थी। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को सीएम को भरतपुर से रवाना नहीं होने देने के लिए कहा था।

MLA को फोन करने पर सामने आई सच्चाई

अंधड़ की सूचना मिलने पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मौसम साफ होने तक भरतपुर में ही रुकने का निश्चय किया। करीब 2 घंटे रुकने के बाद उन्होंने जमवा रामगढ़ विधायक गोपाल मीणा को फोन कर मौसम की जानकारी ली। इस पर विधायक ने पिछले चार दिन से तेज हवा नहीं चलने का जिक्र किया। बिना कारण दो घंटे रुकने के बाद मुख्यमंत्री गहलोत भानपुर कलां के लिए रवाना हुए।

मुख्यमंत्री ने भाषण में बताया कारण

दो बजे शुरू होने वाली सभा करीब 4 बजे शुरू हुई। इस पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सभा में लेट आने का कारण बताते हुए मौजूद लोगों से माफी भी मांगी थी। मामला में जेडीए अधिकारियों लापरवाही सामने आने पर कार्मिक विभाग ने दोनों को शुक्रवार को निलंबित कर दिया।

...एक दिन पहले शुरू किया डोम का कार्य

भानपुरा कलां में व्यवस्था संभाल रहे पंचायत समिति सदस्य अशोक शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री का दौरा पांच दिन पहले निश्चित हो गया था। जेडीए से तीन दिन पहले डोम लगाने की सूचना आई थी। टेंट लगाने वाली फर्म ने सभा से एक दिन पहले काम शुरू किया। सभा के दिन भी डोम पूरा नहीं लग पाया और लोग धूप में ही खड़े होकर सीएम का भाषण सुनते रहे।

जुलाई के पहले सप्ताह में मानसून मारेगा एंट्री

राजधानी में प्री-मानसून की दस्तक, शाम को बूंदाबांदी के साथ हुई शुरुआत

बेधड़क | जयपुर

राजधानी समेत प्रदेश की करीब आधा दर्जन जगहों पर शुक्रवार को प्री-मानसून ने दस्तक दी। इसके बाद जगह-जगह बारिश की गतिविधियां शुरू हो गईं। राजधानी में दिनभर तेज गर्मी ने आमजन के पसीने छुड़ाए, मगर शाम को मौसम बदला और शहरी इलाकों के अलावा ग्रामीण इलाकों में भी हल्की बारिश हुई।

इस बारिश से आमजन को तेज पड़ रही उमस और गर्मी से निजात मिली। अचानक बदले मौसम से तापमान में 5 डिग्री से भी अधिक की गिरावट दर्ज की गई, हालांकि यहां शुक्रवार को भी दिन में अधिकतम तापमान सामान्य से 2.3 डिग्री कम 36.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इधर, शुक्रवार को सबसे अधिक बारिश बूंदी जिले में 5 एमएम रिकॉर्ड दर्ज की गई।

दूसरी तरफ प्रदेश के उत्तरी जिलों में शुक्रवार को भी तेज गर्मी पड़ी, जिसके कारण श्रीगंगानगर समेत आधा दर्जन जगहों पर पारा 40 डिग्री को पार कर गया। प्रदेश में शुक्रवार को सर्वाधिक तापमान श्रीगंगानगर में 43.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार प्री मानसून की दस्तक के बाद अब जगह- जगह बारिश होना शुरू हो जाएगी।

दिन में तापमान 36.8 डिग्री तक पहुंचा

प्री-मानसून के आने के साथ ही वातावरण में नमी बढ़ने से राजधानी में दिनभर जयपुराइट्स को उमस ने परेशान किया। यहां सुबह के समय हुई हल्की बूंदाबांदी से 11 बजे तक मौसम में ठंडक रही। दिन चढ़ने के साथ ही तापमान भी बढ़ता गया और बढ़ती गई गर्मी। यहां दिन में सर्वाधिक तापमान 36.8 डिग्री के नजदीक पहुंच गया। इसके चलते दिन के समय आमजन को तेज गर्मी का अहसास हुआ। इधर, शाम होते-होते मौसम में हल्की नमी आई और कई जगहों पर बरसात ने दस्तक दी। बारिश के बाद यहां मौसम सुहाना हुआ और आमजन को गर्मी से हल्की राहत मिली।

25 और 26 को यहां बारिश का अलर्ट

मौसम केन्द्र जयपुर के अनुसार अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, जयपुर, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, कोटा, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाईमाधोपुर, सीकर, सिरोही, टोंक, उदयपुर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, नागौर और श्रीगंगानगर में रविवार से बारिश का दौर शुरू होगा। इस दौरान हवाओं की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा रहने की संभावना है। इसके साथ ही तापमान में गिरावट भी दर्ज की जाएगी।

बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी

मौसम केंद्र जयपुर निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार राजस्थान में मानसून की दस्तक इस बार जुलाई के पहले सप्ताह में होने की संभावना है। 25 जून से मानसून की स्पीड पर जो थमी थी, वह फिर से गति पकड़ने लगेगी और राजस्थान में जगह-जगह बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी। शर्मा के अनुसार प्री मानसून की दस्तक शुरू होने के साथ समय के साथ बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी।

जरूरी खबर

तमिलनाडु से पॉक्सो मामले का इनामी बदमाश गिरफ्तार

भीलवाड़ा। जिले में पॉक्सो एक्ट सहित एक दर्जन से ज्यादा मामलों में लिप्त 10 हजार रुपए के इनामी बदमाश युनूस मोहम्मद उर्फ बाबू को पुलिस ने तमिलनाडु में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपी को भीलवाड़ा ले आई है। सुभाष नगर थाने में दर्ज पोक्सो एक्ट के एक मामले में वह फरार चल रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए डीएसपी सदर योगेश शर्मा के निर्देशन में टीम गठित की गई। टीम को पता चला कि यह आरोपी तमिलनाडू में मजदूरी कर रहा था। जहां से उसे पुलिस टीम ने दबोच लिया।

तालाब में चार बच्चे डूबे, ग्रामीणों ने 3 को बचाया

धौलपुर। सरमथुरा थाना इलाके में तालाब में नहाने गए 4 बच्चे डूब गए। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आस-पास मौजूद लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे और 3 बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। थाना प्रभारी देवेंद्र शर्मा ने बताया कि गांव मठ कंचनपुर निवासी मुकेश गोस्वामी अपनी बहन के ससुराल रहरई गांव में शादी समारोह में शामिल होने गया था। उसके साथ उसक बेटा विक्रम (12) भी था। शुक्रवार विक्रम अपने अन्य 3 साथियों के साथ तालाब में नहाते समय चारों डूबने लगे। इनमें से ग्रामीणों ने तीन को सुरक्षित निकाल लिया। विक्रम की डूबने से मौत हो गई।

डागुर फिर बने अभाविप करौली के जिला संयोजक

करौली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जयपुर प्रांत का 4 दिवसीय प्रांत अभ्यास वर्ग 17 से 20 जून तक धौलपुर मे सम्पन्न हुआ। इसमें प्रांत अध्यक्ष हेमंत महावर, प्रांत मंत्री शौर्य जैमन ने शेरपुर निवासी योगेंद्र डागुर को पुनः करौली जिले का जिला संयोजक नियुक्त किया है। डागुर पूर्व मे इकाई अध्यक्ष, नगर मंत्री, जिला समिति सदस्य जैसे दायित्व का निर्वहन कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रांत अभ्यास वर्ग में नवीन दायित्व जिला प्रमुख सुरेंद्र शांडिल्य को बनाया गया। अभ्यास वर्ग मे करौली से लव सोलंकी, महू प्रांत कार्यकारणी सदस्य, प्रियांशु राजपूत शामिल हुए।

राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट 2023: भरतपुर में हुआ आगामी आरडीटीएम आयोजन के लिए चौथा प्रमोशनल रोड शो

पर्यटन में आए नए बदलावों और श्रेष्ठ सेवाओं का होगा प्रदर्शन

बेधड़क | भरतपुर

राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट 2023 के लिए शुक्रवार को भरतपुर में चौथा प्रमोशनल रोड शो आयोजित किया गया। इसमें पर्यटन विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड ने कहा कि राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट भारत भर के ट्रैवल इंडस्ट्री प्रॉफेशनल्स के लिए राजस्थान पर्यटन से जुड़े व्यावसायिक अवसरों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण मंच है।

मार्ट का मुख्य उद्देश्य ट्रैवल इंडस्ट्री प्रॉफेशनल्स को नेटवर्क बनाने और उनके उत्पादों एवं सेवाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करते हुए राजस्थान में स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि आगामी आरडीटीएम आयोजन में स्थानीय पर्यटन में आए नए बदलावों और श्रेष्ठ सेवाओं का प्रदर्शन खास रहेगा। राजस्थान पर्यटन विभाग और फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म इन राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में भरतपुर के लक्ष्मी विलास पैलेस में आयोजित किया गया। इसमें मुख्य सचिव राठौड़ ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार ने पर्यटन क्षेत्र के विकास को काफी महत्व दिया है और इस वर्ष के बजट में टूरिज्म डवलपमेंट फंड को एक हजार करोड़ से बढ़ाकर 1500 करोड़ कर दिया है। पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र को दिया गया 'उद्योग' का दर्जा पर्यटन के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। उन्होंने फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति, ग्रामीण पर्यटन नीति के साथ-साथ डिजिटल मीडिया के माध्यम से राजस्थान को सक्रिय रूप से प्रमोट करने के लिए पर्यटन विभाग और एफएचटीआर के बीच कोलैबोरेशन पर भी प्रकाश डाला।

14 से 16 जुलाई तक होगा आरडीटीएम

राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट (आरडीटीएम) इस बार जयपुर में 14 से 16 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष की थीम 'सस्टेनेबल टूरिज्म' है। इस आयोजन को होटल्स एंड रेस्टोरेंट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (एचआरएआर), इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए) और राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (राटो) का भी समर्थन प्राप्त है। एफएचटीआर के अध्यक्ष और क्लार्क्स ग्रुप ऑफ होटल्स के एमडी अपूर्व कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 2022 और 2023 में अद्भुत बजट पेश किए जो राजस्थान के आर्थिक विकास में मील का पत्थर साबित हुए। उन्होंने राजस्थान को भारत में निवेश के लिए सबसे अनुकूल राज्य बनाने के प्रयासों के लिए पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह का भी आभार व्यक्त किया।

आरडीटीएम में इन सेवाओं का लाभ

आरडीटीएम राजस्थान के सभी होटल व्यवसायियों, ट्रैवल एजेंटों-टूर ऑपरेटरों को पूरे भारत के ट्रैवल एजेंटों को अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने और सुव्यवस्थित बी2बी मीटिंग्स की सुविधा के लिए एक मंच प्रदान करेगा। आरडीटीएम के दूसरे संस्करण में 2 दिनों के दौरान 5 हजार से अधिक बी2बी मीटिंग्स हुईं थी। लगभग 200 सेलर्स ने 800 से अधिक प्रॉपर्टीज, एजेंसी और एक्सपीरिएंस को प्रदर्शित किया था। इस आयोजन से घरेलू पर्यटन को काफी बढ़ावा मिला है।

खाजूवाला में रेप के बाद हत्या का मामला

सभी मांगों पर सहमति के बाद युवती का हुआ अंतिम संस्कार

बेधड़क | बीकानेर

जिले के खाजूवाला में दलित युवती की रेप के बाद हत्या मामले में दिनभर माहौल गरमाया रहा। वहीं दोपहर बाद सभी मांगों पर प्रशासनिक स्वीकृति के बाद परिजन युवती का अंतिम संस्कार करने के लिए शव लेने को तैयार हुए। इसके बाद युवती का अंतिम संस्कार किया गया।

इससे पहले अस्पताल की मोर्चरी के बाहर शुक्रवार को भी स्थिति हंगामेदार रही। युवती के परिजनों के साथ स्थानीय लोग और जनप्रतिनिधि धरने पर बैठे रहे। वहीं इस मामले को लेकर भाजपा सहित कई राजनीतिक दल सरकार पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते रहे। धरने में भाजपा नेता भी शामिल हुए।

वहीं घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें बर्खास्त कांस्टेबल और अन्य लोग युवती को हॉस्पिटल ले जाते दिख रहे हैं। फिर मौके से भाग जाते हैं। शुक्रवार को भाजपा की एक टीम भी खाजूवाला पहुंची। भाजपा नेताओं ने पीड़ित परिवार के साथ बातचीत कर जानकारी ली। अब तक की जांच में सामने आया है कि पीड़िता की मौत ज्यादा खून बहने से हुई थी। वहीं शुक्रवार को भी अस्पताल की मोर्चरी के बाहर युवती के परिजनों के साथ सैंकड़ों लोग धरने पर बैठे रहे। वहीं सभी मांगें मानने के बावजूद कुछ लोग शव उठाने के लिए तैयार नहीं हुए। ऐसे में पुलिस ने जबरन शव उठाने की चेतावनी दी। इस पर पुलिस और धरने में मौजूद लोग आमने-सामने हो गए।

व्यापारियों ने कस्बा बंद रखकर जताया विरोध

भाजपा की तीन सदस्यीय जांच कमेटी पहुंची

भाजपा की तीन सदस्यीय जांच कमेटी शुक्रवार को खाजूवाला पहुंची। कमेटी में पूर्व मंत्री और विधायक अनिता भदेल, जोधपुर महापौर वनीता सेठ और भाजपा के एससी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश मेघवाल शामिल हैं। यहां उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। इसके बाद कमेटी सदस्यों ने खाजूवाला थाने में संभागीय आयुक्त नीरज के पवन, जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद और एसपी तेजस्विनी गौतम से इस मामले में वार्ता की। भाजपा नेताओं ने धरना स्थल पर बैठकर विरोध दर्ज करवाया। इस दौरान पूर्व मंत्री अनिता भदेल ने प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के राज में बच्चियां सुरक्षित नहीं हैं। जिस तरह से इस मामले में पुलिस की भूमिका सामने आई है, यह अपने आप में निंदनीय है। इस दौरान उन्होंने पुलिस पर स्थानीय मंत्री के दबाव में काम करने का भी आरोप लगाया।

ऐसी घटनाएं समाज के लिए कलंक

राजस्थान में बढ़ रहे महिला अपराधों को लेकर आम आदमी पार्टी ने गहलोत सरकार को घेरा। आम आदमी पार्टी महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष गायत्री विश्नोई ने प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता करते हुए कहा कि खाजूवाला में दलित युवती की गैंगरेप के बाद हत्या कर देना प्रदेश की लचर कानून व्यवस्था को दर्शाता है। आप नेता गायत्री ने कहा कि घटना के बाद जिनसे न्याय की उम्मीद की जाती है, वही पुलिस शिकायत दर्ज करने के बजाय मामला दबाने का काम कर रही है। उन्होंने ने कहा कि संगीन अपराधों में पुलिस की पंचायती करना बेहद शर्मनाक है। पीड़ित परिवार आज सरकार से इंसाफ की मांग कर रहा है। गायत्री विश्नोई का कहना है कि पिछले दो महीनों मे रेप और महिला अपराधों के कई मामले सामने आए हैं।

कलेक्टर के निर्देश से वसूली पर रोक

पार्किंग स्टाफ का होगा पुलिस वेरिफिकेशन, ड्रेस कोड व नेम प्लेट अनिवार्य

बेधड़क | जयपुर

खाटू श्यामजी में बाबा के दर्शन के लिए आने वाले भक्तों से एंडी फीस के नाम पर होने वाली अवैध वसूली पर लगाम कसी जाएगी। इस मुद्दे को लेकर दैनिक समाचार पत्र 'सच बेधड़क' ने 'प्रशासन की नींद लगते ही शुरू होती है भक्तों से अवैध वसूली' शीर्षक से गुरुवार, 23 जून के अंक में प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया था। इसको लेकर शुक्रवार को जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में स्थानीय प्रशासन के साथ मीटिंग हुई। जिसमें पार्किंग स्टाफ का पुलिस वेरिफिकेशन करवाने और उनके लिए नेम प्लेट के साथ ड्रेस कोड लागू करने के निर्देश दिए गए।

सीकर जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव ने 'सच बेधड़क' की खबर पर प्रसंज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से इस मामले की जांच करवाने के निर्देश दिए। इधर नगर पालिका खाटूश्यामजी एवं उपखंड अधिकारी दांतारामगढ़ राकेश कुमार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। इसमें दांतारामगढ़ तहसीलदार विपुल चौधरी, खाटूश्यामजी अधिशासी अधिकारी अरुण कुमार शर्मा समेत सहायक अभियन्ता अल्का मील मौजूद रहे। इसमें खाटूश्यामजी नगरपालिका में पार्किंग व्यवस्था को लेकर सम्पूर्ण कस्बे व पार्किंग क्षेत्र में दिशा सूचक साइन बोर्ड लगाने के अलावा पार्किंग स्टाफ का ड्रेस कोड व नेम प्लेट लगाने और सम्पूर्ण स्टाफ का पुलिस वेरिफिकेशन करवाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा श्याम भक्तों से पार्किंग के लिए निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त कोई एंट्री या अन्य किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। पार्किंग को व्यवस्थित करने के लिए अतिरिक्त स्टाफ व होमगार्ड की नियुक्ति की जाएगी और पार्किंग स्थल पर शौचालय एवं पेयजल आदि सुविधा भी दी जाएगी।

दादागिरी... सड़क पर चलने के भी पैसे, टिकट लेने पर ही छूटी
प्रशासन की नींद लगते ही शुरू होती है भक्तों से अवैध वसूली
एंडी व पार्किंग के नाम पर ले रहे 100-100 रुपए

सच बेधड़क
23 जून 2023 को प्रकाशित

खबर का असर

निर्मम हत्या: लाश देख ग्रामीणों ने पुलिस को दी सूचना

महिला की हत्या कर पहाड़ी पर फेंका

बेधड़क | भीलवाड़ा

जिले में एक महिला की निर्मम हत्या कर लाश को पहाड़ी पर फेंकने का मामला सामने आया है। महिला का क्षत-विक्षत हालत में शव देखकर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी।

इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। वहीं घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस मृतका की शिनाख्ती के प्रयास कर रही है। यह घटना बनेड़ा-मानपुरा मोड़ पर स्थित जोगियों के बाग की है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार सुबह मानपुरा गांव निवासी एक बुजुर्ग बकरियां चराने के लिए जोगियों के बाग के पीछे स्थित वन विभाग की पहाड़ी पर गया था।

वहां पहाड़ी पर एक महिला की खून से लथपथ लाश देखकर उसके होश उड़ गए। उसने वापस नीचे आकर खेत में मौजूद लोगों को शव पड़े होने की जानकारी दी। जिसके बाद खेत पर काम कर रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। कार्यवाहक थाना प्रभारी सुरेश कुमार जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। महिला की हत्या का खुलासा करने के लिए पुलिस ने पहाड़ी और आस-पास के स्थानों से साक्ष्य जुटाकर उच्चाधिकारियों को जानकारी दी।

पुलिस को मौके से मृतका के कपड़े, चप्पल सहित अन्य सामान मिले हैं। इसके बाद पुलिस ने शव को मोर्चरी में भिजवाया।

कहीं और हत्या कर शव डाला पहाड़ी पर

पुलिस की जांच में प्रथम दृष्टया सामने आया है कि महिला की हत्या कहीं और की है और बाद में शव पहाड़ी पर लाकर फेंक दिए गया है। मृतका के चेहरे पर किसी नुकीली वस्तु से वार किए जाने के भी निशान हैं। डीएसपी कन्हैयालाल ने बताया कि मृतका की उम्र लगभग 25-30 साल की है। मृतका के हाथ पर पीएस लिखा हुआ है। गले में बेल का धागा, पांव की अंगुली में बिच्छिया, कान में बालियां और हाथ की अंगुली में अंगूठी पहने हुए हैं। मृतका के चेहरे के अलावा शरीर पर कहीं भी चोट या खरोंच के निशान नहीं मिले हैं।

आमजन को एक छत के नीचे मिल सकेंगे लजीज व्यंजन

मंत्री धारीवाल 28 जून को करेंगे 'कोटा चौपाटी' का लोकार्पण

बेधड़क | कोटा

जयपुर चौपाटी की तर्ज पर बनी 'कोटा चौपाटी' में आमजन को 29 जून से लजीज व्यंजनों का स्वाद एक छत के नीचे मिल सकेगा।

नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल 28 जून को चौपाटी का लोकार्पण करेंगे। आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने कहा कि जयपुर के मानसरोवर और प्रताप नगर में बनी 'जयपुर चौपाटी' राजधानी के स्थानीय और विदेशी पर्यटकों के लिए हॉट डेस्टिनेशन बन चुकी है। कोटावासी चौपाटियों पर 3 दर्जन से ज्यादा व्यंजन व्यंजनों का लुत्फ उठा सकेंगे। कोटा चौपाटी में कुल 17 दुकानों एवं 4 कियोस्कों का निर्माण किया गया है। इंडियन, इटालियन, कॉन्टिनेंटल व्यंजन उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने बताया कि चौपाटी में म्यूजिक सिस्टम एवं म्यूजिकल बैंड की धुन के बीच व्यंजनों का स्वाद लोगों के लिए अविस्मरणीय रहेगा।

डूंगरपुर जिले के सरथुना गांव व चौरासी थाना क्षेत्र में हुए हादसे

डंपर ने 3 लोगों को कुचला, ड्रिलिंग मशीन से टकराने पर 1 की मौत

बेधड़क | डूंगरपुर

जिले में शुक्रवार को दो अलग-अलग हादसों में चार लोगों की जान चली गई। हादसों के चलते मौके पर चीख-पुकार मच गई। वाहनों के भिड़ने के धमाकों की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े और हादसे के शिकार लोगों को संभाला। वहीं पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। जानकारी के अनुसार पहला हादसा धम्बोला थाना क्षेत्र के सरथुना गांव में हुआ। जहां एक डंपर ने तीन बाइक सवारों को कुचल दिया। इसके चलते तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

यह हादसा दोपहर करीब 12 बजे गुजरात सीमा पर स्थित धम्बोला थाना क्षेत्र के सरथुना पुलिस चौकी के पास हुआ। गुजरात सीमा की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार तीन युवाओं की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हादसे के बाद मौका पाकर डंपर चालक वाहन को दुर्घटना स्थल पर ही छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर धंबोला थानाधिकारी राकेश कटारा, चौरासी थानाधिकारी अमृत लाल मीणा और चौकी प्रभारी विद्याशंकर पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने बताया कि तीनों मृतक गुजरात के निवासी हैं। मृतकों की जेब से मिले मोबाइल के आधार पर उनकी शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने मृतकों के शवों को सीमलवाड़ा मोर्चरी में रखवाया है। वहीं पुलिस ने डंपर को जब्त कर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार ने ली जान

दूसरा हादसा डूंगरपुर जिले के चौरासी थाना क्षेत्र में हुआ। एक तेज रफ्तार बाइक बोरवेल ड्रिलिंग मशीन से टकरा गई। हादसे में बाइक पर सवार एक युवक की मौत हो गई। वहीं दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। पुलिस ने बोरवेल ड्रिलिंग मशीन और बाइक को जब्त कर लिया है। थानाधिकारी अमृतलाल ने बताया कि मेरोप निवासी आशीष (20) पुत्र रामचंद्र डेंडोर और उसका साथी गडिया भादर निवासी महिपाल (20) पुत्र जीवनलाल कटारा दोनों ही बाइक पर सवार होकर डूंगरपुर से अपने गांव की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पोहरी पटेलान के पास मोड़ पर आगे चल रही एक बोरवेल ड्रिलिंग मशीन वाहन को ओवरटेक करते समय बाइक पीछे से टकरा गई। टक्कर के बाद बाइक के परखच्चे उड़ गए वहीं बाइक सवार आशीष की मौके पर ही मौत हो गई।

दूसरा युवक गंभीर घायल

इस हादसे में बाइक पर सवार दूसरे युवक महिपाल के सिर, हाथ-पैर और शरीर पर कई जगह गंभीर चोटें आई है। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। बोरवेल ड्रिलिंग मशीन का ड्राइवर गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों को डूंगरपुर अस्पताल पहुंचाया। गंभीर घायल महिपाल को इलाज के लिए भर्ती कर लिया, जबकि आशीष के शव को मोर्चरी में रखवाया।

अचीवमेंट: जयपुर की यूनिवर्सिटी आईआईसी रैंकिंग में शीर्ष पर, शत प्रतिशत प्लेसमेंट का रिकॉर्ड

UEM को मिला शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार, राज्यपाल ने दिया सम्मान

बेधड़क | जयपुर

यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (UEM), जयपुर को शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार-2023 से सम्मानित किया गया है।

UEM को यह पुरस्कार हाल ही माउंट आबू में आयोजित एक समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र ने प्रदान किया। यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. डॉ. विश्वजॉय चटर्जी ने इस उपलब्धि के लिए सभी शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्रों व अभिभावकों को बधाई दी है।

प्रो. चटर्जी ने बताया कि यूईएम जयपुर एक छात्र केंद्रित विश्वविद्यालय है। उन्होंने बताया कि यूईएम जयपुर एक छात्र केंद्रित विश्वविद्यालय है और एआईसीटीई, यूजीसी व आईएपी द्वारा अनुमोदित और एनएएसी द्वारा मान्यता प्राप्त है। यह एआईसीटीई मेंटर मेंटी योजना के तहत शीर्ष 200 मेंटर संस्थानों में से एक है और यह हमेशा अपने छात्रों को रोजगार के योग्य बनाने के लिए सर्वोत्तम शिक्षण-अध्ययन वातावरण प्रदान करने का प्रयास करता है।

NPTEL में छह साल से अग्रणी

यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रार प्रो. डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तहत एनपीटीईएल परीक्षा में पिछले 6 शैक्षणिक सत्रों से लगातार शीर्ष स्थान हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की नीति अपने सभी छात्रों को प्लेसमेंट प्रदान करना है, इसलिए यहां प्लेसमेंट तब तक जारी रहता है जब तक कि अंतिम पात्र छात्र नौकरी की पेशकश से संतुष्ट नहीं हो जाता। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) पिछले 5 वर्षों से अपनी नवीन परियोजनाओं और गतिविधियों के लिए पूरे उत्तरी क्षेत्र में शीर्ष स्थान पर है।

इस बार अधिकतम पैकेज 42 लाख एलपीए

प्रो. शर्मा ने बताया कि यूनिवर्सिटी के 2023 बैच के सभी छात्रों का अधिकतम पैकेज 42 लाख प्रति वर्ष रहा है और अभी प्लेसमेंट चल रहे हैं। पिछले वर्ष यह 72 लाख प्रति वर्ष तक गया था। यूईएम जयपुर राजस्थान में टाइम्स बी-स्कूल रैंकिंग में प्रथम स्थान पर है और भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की आईआईसी रैंकिंग में भी शीर्ष विश्वविद्यालय है। यूईएम को शिक्षा मंत्रालय द्वारा एआरआईआईए रैंकिंग से मोस्ट प्रॉमिसिंग इंस्टीट्यूशन सर्टिफिकेट भी प्राप्त हुआ है। यहां बहुत से नए इंडस्ट्री ऑरिएंटेड कोर्सेज उपलब्ध हैं जिनके चलते स्टूडेंट्स में यूईएम का क्रेज है।

Yuva स्टोरीज

NCC कैडेट्स को सिखाई आपदा राहत तकनीक |
जयपुर। श्री भवानी निकेतन पॉलीटेक्निक महाविद्यालय सीकर रोड में चल रहे प्रथम राजस्थान बटालियन एनसीसी जयपुर के संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स ने शुक्रवार को आपदा राहत की तकनीकें सीखीं। कमान अधिकारी व कैंप कमांडेंट कर्नल जितेन्द्र सिंह के नेतृत्व में आयोजित किए जा रहे कैंप में राजस्थान सिविल डिफेंस टीम ने 490 कैडेट्स को विभिन्न आपदाओं जैसे बाढ़, आग लगने आदि स्थितियों में बचाव के तरीके सिखाए। सिविल डिफेंस कर्मचारियों ने आग लगने पर बचाव के विभिन्न तरीकों की जानकारी देते हुए विभिन्न उपकरणों से आग बुझाने की तकनीकों की जानकारी दी। इन तकनीकों को सीखने के लिए कैडेट्स में विशेष उत्साह देखने को मिला। कैंप में प्रथम राजस्थान बटालियन एन सी सी जयपुर के 6 सहयोगी एन सी सी अधिकारी, 19 पी आई स्टाफ एवं 490 एन सी सी कैडेट्स भाग ले रहे हैं।

पशुपालन निगम में 3444 पदों पर होगी भर्ती |
जयपुर। 10वीं व 12वीं पास युवाओं के लिए खुशखबरी है। भारतीय पशुपालन निगम लिमिटेड में 3444 पदों पर भर्ती निकली है, जिसके माध्यम से सर्वे प्रभारी के 574 पद और सर्वेयर के 2870 पद भरे जाएंगे। इसके लिए 5 जुलाई रात 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। भारतीय पशुपालन निगम लिमिटेड में सर्वे प्रभारी के लिए 21 से 40 साल तक के व सर्वेयर पद के लिए 18 से 40 साल तक के कैंडिडेट्स अप्लाई कर सकते हैं। शैक्षणिक योग्यता पदों के अनुसार 10वीं व 12वीं है। आवेदन के लिए भारतीय पशुपालन निगम की ऑफिशियल वेबसाइट https://bharatiyapashupalan.com/Home पर मौजूद रिक्रूटमेंट की लिंक पर जाकर ऑनलाइन फॉर्म भरना होगा। सर्वे प्रभारी के लिए 944 रुपए और सर्वेयर के लिए 826 रुपए शुल्क के रूप में चुकाने होंगे।

AIIMS जोधपुर में नौकरी का अवसर|
जयपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), जोधपुर ने 281 विभिन्न पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इसके तहत एम्स में लैब टैक्नीशियन, केमिस्ट, केमिकल परीक्षक, मेडिकल रिकॉर्ड टैक्नीशियन, रिकॉर्ड क्लर्क, अस्पताल अटेंडेंट ग्रेड- III, स्ट्रेचर बियरर्स सहित अन्य विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए एम्स जोधपुर की ऑफिशियल वेबसाइट www.aiimsjodhpur.edu.in पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 10 जुलाई है। आवेदन के लिए शैक्षणिक योग्यता पदों के अनुसार 10वीं, 12वीं और आईटीआई व मेडिकल डिप्लोमा है। उम्मीदवारों का सलेक्शन एजुकेशनल क्वालिफिकेशन, आईटीआई और मेडिकल डिप्लोमा में मिले अंकों की मेरिट के अनुसार किया जाएगा।

नवोदय विद्यालयों में भरे जाएंगे 7500 पद |
जयपुर। जवाहर नवोदय विद्यालयों में करीब 7500 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की गई है। इस प्रक्रिया के तहत विभिन्न पदों पर भर्ती कर चयनितों को देशभर में स्थित जवाहर नवोदय विद्यालयों में नियुक्ति दी जाएगी। इस प्रक्रिया के तहत 306 पीजीटी कम्प्यूटर विज्ञान, 91 शारीरिक शिक्षक, 46 आधुनिक भारतीय भाषा, 649 टीजीटी कम्प्यूटर विज्ञान, 649 टीजीटी कला, 1244 टीजीटी शारीरिक शिक्षा, 649 टीजीटी संगीत, 649 स्टॉफ नर्स, 636 खानपान पर्यवेक्षक, 598 इलेक्ट्रीशियन व प्लंबर, 1397 मेस हेल्पर, 55 आसो, 8 कम्प्यूटर ऑपरेटर और 49 आशुलिपिक के पदों पर भर्ती की जा रही है। इस भर्ती के लिए नवोदन विद्यालय समिति की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। भर्ती की योग्यता, आयुसीमा, शुल्क, सलेक्शन प्रोसेस सहित तमाम जानकारी वेबसाइट पर मौजूद है।

MNIT स्टूडेंट्स को उपराष्ट्रपति ने दिया सक्सेस मंत्र

फेलियर से डरो मत, बढ़ो और बन जाओ विश्व नेता

बेधड़क | जयपुर

"देश की सेवा करने से चेहरे पर जो चमक आती है वो किसी दूसरे काम से नहीं आ सकती। इसलिए फेलियर से बिना डरे लगातार मेहनत के साथ आगे बढ़ते रहो।"

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को जयपुर के मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी के परिसर में संस्थान के छात्र छात्राओं से बात करते हुए ये बात कही। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों का डीएनए बहुत मजबूत है। हम लोगों के दिमाग की कैपेसिटी 24*7 काम करने की है, बाहर कहीं आपको ऐसा वर्क कल्चर नहीं मिलेगा। एक किस्सा शेयर करते हुए उन्होंने कहा कि एक बार मेरा लंदन में चार्ल्स थर्ड के साथ इंटरेक्शन था, बातचीत में चार्ल्स ने मुझसे कहा कि हम भारत के टैलेंट को हरा नहीं सकते। इससे पहले संस्थान परिसर में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वागत संस्थान निदेशक प्रो. एन पी पाढ़ी ने किया। इस दौरान संस्थान का स्टाफ व बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

धनखड़ ने परिसर स्थत पं. मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया व परिसर में पौधे लगाए।

MOU, उद्घाटन और इंटरेक्शन

उपराष्ट्रपति ने शिक्षा, खेल व उद्यमिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले यूजी, पीजी और पीएचडी के छात्रों से संस्थान के नीति सभागार में बात की। उन्होंने छात्रों के विभिन्न सवालों के जवाब दिए और उन्हें मोटिवेट किया। समयाभाव में वे जिन स्टूडेंट्स के सवालों का जवाब नहीं दे पाए उनसे लिखित में सवाल लिए और उनका जवाब देने का आश्वासन दिया। इस दौरान धनखड़ ने इंडियन कॉन्सिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स के साथ एमएनआईटी के एमओयू की घोषणा की। उन्होंने एमएनआईटी प्रतिनिधिमंडल को नवनिर्मित संसद भवन का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया। धनखड़ ने इस दौरान एमएनआईटी द्वारा वर्ष भर चलने वाले शिक्षा मंत्रालय के फ्लैगशिप कार्यक्रमों की तस्वीरों की एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। इसमें एक भारत श्रेष्ठ भारत, युवा संगम चरण- 2 कार्यक्रम, हर घर तिरंगा कार्यक्रम, उन्नत भारत अभियान के तहत आयोजित गतिविधियां, साइकिल रैली, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सहित कई कार्यक्रमों के फोटो व वीडियो का प्रदर्शन किया गया। धनखड़ ने प्रदर्शनी का गंभीरता पूर्वक अवलोकन किया और संस्थान के प्रयास की सराहना की।

एनईपी लागू करने में MNIT अग्रणी

उपराष्ट्रपति धनखड़ एमएनआईटी में आयोजित शिक्षाविद संवाद बैठक 'एनईपी-2020' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि भारत एक बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था वाला देश है, अगर देश का युवा अपनी पूरी क्षमताओं के साथ काम करे तो भारत में विश्व का नेता बनने की पूरी क्षमता है। एमएनआईटी निदेशक प्रो. पाढ़ी ने बैठक में कहा कि बताया कि एमएनआईटी जयपुर रैंकिंग ढांचे में नई ऊंचाइयां हासिल कर रहा है। एमएनआईटी जयपुर देश के पहले कुछ एनआईटी में से एक है जिसने एनईपी-2020 लागू किया है। इसके तहत छात्रों को इंजीनियरिंग अध्ययन की अपनी स्ट्रीम के साथ-साथ माइनर विषय को आगे बढ़ाने के लिए अधिक लचीले पाठ्यक्रम की सुविधा प्रदान की जाएगी। बैठक में उपराष्ट्रपति की पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ और केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के कुलपति प्रो. आनंद भालेराव सहित देश प्रदेश के विभिन्न शिक्षाविद् शामिल हुए। डीन छात्र कल्याण प्रो. महेश कुमार जाट ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया।

युवा महोत्सव 5 जुलाई से होगा आगाज

युवाओं की बहुरंगी प्रतिभा को मिलेगा मंच

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश के युवाओं की प्रतिभा को निखारने और कॅरियर मार्गदर्शन के लिए युवा बोर्ड राजस्थान युवा महोत्सव का आयोजन करेगा। 5 जुलाई से महोत्सव का आगाज होगा। इसमें ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर कार्यक्रम होंगे।

युवा बोर्ड के अध्यक्ष सीताराम लांबा ने महोत्सव की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को सचिवालय में जिला कलेक्टर्स व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक ली। लांबा ने बताया कि प्रदेश के युवाओं की प्रतिभा को निखारने, उन्हें मंच प्रदान करने व राज्य की लुप्त होती लोक कला एवं संस्कृति के संवर्धन के लिए इस महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

ब्लॉक स्तर पर यह आयोजन 5 से 25 जुलाई, जिला स्तर पर 26 जुलाई से 10 अगस्त और राज्य स्तर पर 20 से 22 अगस्त तक किया जाएगा। महोत्सव में भाग लेने के लिए युवा 3 जुलाई तक www.youthboard.rajasthan.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं।

कॅरियर काउंसलिंग का भी इंतजाम

लांबा ने बताया कि महोत्सव में सामूहिक लोक गायन, लोक नृत्य, नाटक, चित्रकला, कविता लेखन, शास्त्रीय वाद्य यंत्र वादन, के साथ-साथ राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार कर युवाओं को कॅरियर मार्गदर्शन के अवसर भी प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि महोत्सव के आयोजन के लिए शिक्षा विभाग को नोडल विभाग बनाकर ब्लॉक स्तर के आयोजन के लिए 2 लाख रुपए और जिला स्तर के लिये 5 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है।

ISIM में शिविर परवान पर

बेधड़क | जयपुर

मानसरोवर स्थित इन्टरनेशनल स्कूल ऑफ इन्फोर्मेटिक्स एण्ड मैनेजमेन्ट, टेक्निकल (आईएसआईएम) कैम्पस में चल रहे ग्रीष्मकालीन शिविर में विद्यार्थियों में विभिन्न क्षेत्रों की कुशलता बढ़ाने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। आईआईआईएम की प्राचार्या डॉ. मंजू नायर ने बताया कि इन कार्यशालाओं में लर्निंग लाइफ स्किल्स थ्रू थिएट्रिक्स, डेटा साईंस : कन्सेप्ट एण्ड प्रैक्टिस, डेटा विज्युलाइजेशन इन माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल प्रमुख हैं। इनमें विद्यार्थी उत्साह से हिस्सा ले रहे हैं। ग्रीष्मकालीन कक्षाओं की श्रृंखला में आखिरी कार्यशाला डेटा एनालिटिक्स विषय पर 30 जून को होगी जिसके लिए पंजीकरण की प्रक्रिया जारी है।

इनीशिएटिव MJRP यूनिवर्सिटी में न्यू एज फैशन डिजाइनिंग लैब का शुभारंभ

अब हाईटेक लैब्स में फैशन स्किल्स निखारेंगे स्टूडेंट्स

बेधड़क | जयपुर

महात्मा ज्योति राव फुले विश्वविद्यालय के सोडाला कैम्पस में शुक्रवार को हाईटेक फैशन और टेक्सटाइल डिजाइनिंग लैब का उद्घाटन किया गया। एमजेआरपी यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन निर्मल पंवार और डिपार्टमेंट की स्टूडेंट्स ने लैब का फीता काटकर इसका श्रीगणेश किया।

इस अवसर पर चेयरपर्सन निर्मल पंवार ने फैशन डिजाइनिंग की छात्राओं को मोटिवेट करते हुए फैशन डिजाइनिंग से जुड़े सवाल पूछे व सही जवाब देने पर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि अब फैशन डिजाइन और टेक्सटाइल डिजाइन की शिक्षा आधुनिक उपकरणों के माध्यम से लैब में दी जाएगी। निर्मल पंवार ने स्टूडेंट्स को संदेश दिया कि आपको अपने कौशल और काम में सुधार करते रहना चाहिए व लगातार क्रिएटिव नवाचार करते हुए अपने काम में नयापन लाना चाहिए।

इस अवसर पर चेयरपर्सन निर्मल पंवार और फैकल्टी मेंबर्स ने प्रत्येक लैब का अवलोकन किया। सभी लैब्स में जुटाई गई फेसिलिटीज को समझा और उनकी कार्यप्रणाली की जानकारी ली। स्टूडेंट्स ने अपने डिजाइन किए गए वस्त्रों का प्रदर्शन भी किया। सभी आगंतुकों ने स्टूडेंट्स की कलाकृतियों की जमकर तारीफ की। इस दौरान स्टूडेंट्स में भारी उत्साह दिखाई दिया।

हाइटेक होगी फैशन की पढ़ाई

चेयरपर्सन निर्मल पंवार ने बताया कि कैम्पस में फैशन डिजाइनिंग स्टूडेंट्स को पढ़ाई का हाइटेक माहौल मुहैया कराने के लिए डिजिटल फैशन व टेक्सटाइल लैब और पैटर्न व गारमेंट कंस्ट्रक्शन लैब स्थापित की गई है। इसके साथ ही इंटीरियर स्टूडियो लेब और डिस्प्ले रूम भी तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि इन डिजिटल लैब्स के निर्माण में करीब 20 लाख रुपए की लागत आई है। इन लैब्स में सभी तरह के आधुनिक संसाधन शामिल हैं, जो स्टूडेंट्स की पढ़ाई में भी मदद करेंगे।

पटना में विपक्षी एकता पर महामंथन

एकजुटता में अंतर्विरोधों के मोड़

गजानन्द शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

> "देश इससे पहले विपक्षी एकता के प्रयास इंदिरा गांधी हटाओ के रूप में देख चुका है। अभी तक देश में हुए विपक्षी एकता के प्रयास मुख्य रूप से व्यक्ति विशेष को कुर्सी से दूर रखने पर केन्द्रित रहे हैं। विपक्ष की इस रणनीति से भाजपा अनजान हो, ऐसा भी नहीं है। रणनीति के मामले में भाजपा विपक्षी दलों से चार कदम आगे रहती है और उसने भी राजग के सिकुड़ते कुनबे को बढ़ाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। इसकी हलचल भी बिहार से ही शुरू हुई है। जीतनराम मांझी की पार्टी नीतीश सरकार से अलग हो गई है और उसने राजग के साथ जाने की राह पकड़ ली है। जीतनराम मांझी और उनके पुत्र ने गत दिनों नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और राजग के साथ जाने की इच्छा जताई थी।"

पटना में जुटे विपक्षी दलों के नेताओं ने भाजपा के खिलाफ एकता का शंखनाद कर दिया है। वे 2024 के लोकसभा चुनाव में एकसाथ मिलकर भाजपा को टक्कर देना चाहते हैं। पटना में उन्होंने इसी एकता के फार्मूले पर मंथन किया। बैठक जनता दल यू नेता व बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मेजबानी में हुई। नीतीश का भाजपा के खिलाफ जीत का मंत्र यही है-द्विपक्षीय मुकाबला हो यानी एक के सामने एक प्रत्याशी। बैठक में यह बात सामने आई है कि विपक्ष को एकता के सूत्र में पिरोने का जिम्मा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास रहेगा और भाजपा के खिलाफ एकजुट होने के लिए न्यूनतम साझा कार्यक्रम तैयार होगा।

इस बैठक के बाद यह कहा जा सकता है कि विपक्षी दलों ने एकता प्रयासों की पहली बाधा पार कर ली है। वे कम से कम एक जाजम पर तो बैठे। तमाम अंतर्विरोधों के बावजूद कांग्रेस के नेता और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी एक मंच पर उपस्थित थे। भारतीय राजनीति में विपरीत ध्रुव केवल भाजपा व कांग्रेस ही नहीं हैं, विपक्ष में भी कई ऐसे दल हैं जो एक दूसरे के लिए विपरीत ध्रुव हैं, लेकिन इन विपरीत ध्रुवों का एक साथ बैठना भाजपा के लिए साफ संदेश है कि आने वाले लोकसभा चुनाव में उसके लिए मुकाबला बहुत ही कठिन व चुनौती पूर्ण होने वाला है। इस बैठक में उपस्थित नेताओं पर एक नजर डालें तो यह बात साफ हो जाती है। बैठक में 15 पार्टियों के करीब 30 नेता शामिल हुए। इनमें मेजबान जद यू नेता नीतीश कुमार के अलावा कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, राकांपा नेता शरद पवार, राजद नेता व बिहार के उपमुख्यमत्री तेजस्वी यादव, आप नेता अरविंद केजरीवाल व भगवंत मान, तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी, भाकपा के डी राजा, माकपा के सीताराम येचुरी, शिवसेना यूबीटी नेता उद्धव ठाकरे, जेएमम नेता हेमंत सोरेन, नेशनल कॉन्फ्रेस के नेता उमर अब्दुल्ला, पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती की उपस्थिति अहम है।

> सवाल केवल पीएम फेस का ही नहीं चुनाव के दौरान संभावित गठबंधन की एकीकृत कमान कौन संभालेगा या अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग क्षत्रपों के पास रहेगी, यह सवाल भी बहुत अहम है। कांग्रेस व आप के अलावा विपक्ष में ऐसी कई पार्टियां हैं जो पूर्व में भाजपानीत गठबंधन के साथ रह चुकी हैं या उसको समर्थन दे चुकी हैं।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों के अनुसार बैठक में न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई लेकिन यह सब जानते हैं कि बैठक का एक ही साझा कार्यक्रम है वह है मोदी हटाओ। देश इससे पहले विपक्षी एकता के प्रयास इंदिरा गांधी हटाओ के रूप में देख चुका है। अभी तक देश में हुए विपक्षी एकता के प्रयास मुख्य रूप से व्यक्ति विशेष को कुर्सी से दूर रखने पर केन्द्रित रहे हैं। विपक्ष की इस रणनीति से भाजपा अनजान हो, ऐसा भी नहीं है। रणनीति के मामले में भाजपा विपक्षी दलों से चार कदम आगे रहती है और उसने भी राजग के सिकुड़ते कुनबे को बढ़ाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। इसकी हलचल भी बिहार से ही शुरू हुई है। जीतनराम मांझी की पार्टी नीतीश सरकार से अलग हो गई है और उसने राजग के साथ जाने की राह पकड़ ली है। जीतनराम मांझी और उनके पुत्र ने गत दिनों नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और राजग के साथ जाने की इच्छा जताई थी। माना कि मांझी कोई चमत्कारिक राजनेता नहीं है जो अपने बूते पर राजनीतिक पासा पलट सकें, लेकिन जब लड़ाई बूंद बूंद से घट भरने की चल रही हो तो इस तरह का आना-जाना राजनीतिक हानि-लाभ का सबब भी बन सकता है। भाजपा को जरूर इसमें कुछ फायदा नजर आया होगा। भाजपा की नजर अब सियासी लाभ की हर बूंद को सहेजने पर है।

तेलुगू देशम पार्टी के नेता एन चंद्रबाबू नायडू को वापस राजग में लाने के प्रयास भी आजकल राजनीतिक हलकों में चर्चा के केंद्र में हैं। नायडू की तेलुगू देशम कभी राजग का हिस्सा थी। समझा जाता है कि अब तार वापस जोड़ने की कवायद चल रही है। हालांकि भाजपा के रिश्ते आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के साथ भी कटुतापूर्ण नहीं है, लेकिन राजग के कुनबा बढ़ाने के प्रयास में जगनमोहन रेड्डी से तार जुड़ेंगे या नहीं, यह अभी नहीं कहा जा सकता। दक्षिण भारत के गैर भाजपा पार्टियों के प्रमुख नेताओं में से एक द्रमुक के प्रमुख और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पटना बैठक में मौजूद थे। लेकिन तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव, उम्मीद के अनुसार ही बैठक से दूर रहे। राव का राष्टीय राजनीति का अपना एजेंडा है और वह उसके अनुसार ही आगे बढ़ रहे हैं। हालांकि उनके एक दमदार तीसरा मोर्चा बनाने के प्रयास अभी रंग नहीं ला पाए हैं। राव ने कुछ माह पूर्व पंजाब व बिहार के दौरे पर अपनी राजनीतिक पहल को आगे बढ़ाने का प्रयास किया था, लेकिन नीतीश कुमार उनके साथ नहीं जुड़ पाए।

नीतीश का एजेंडा अलग व बड़ा है और केसीआर की महत्वाकांक्षा उसमें फिट नहीं बैठती। राव अपनी पार्टी टीआरएस को अब बीआरएस यानी भारत राष्ट्र समिति में बदल चुके हैं और उनकी नजरें खासकर पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र में अपनी पार्टी का राजनीतिक आधार तैयार करने पर टिकी हैं। यानी उनकी राह विपक्षी एकता की राह से टकराती है। इस तरह की टकराहट अन्य कई राज्यों में भी है। कांग्रेस का पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में माकपा के साथ गठबंधन है। बंगाल में हो रहे पंचायत चुनाव कांग्रेस व माकपा साथ मिलकर लड़ रही हैं और त्रिपुरा में दोनों पार्टियों ने मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ा था। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस एक पाले में खड़ी हो सकेंगी? क्या बिहार में गठबंधन का हिस्सा बनकर कांग्रेस मजबूत होकर उभर पाएगी? आज बिहार की राजनीति पर छाई पार्टियां कांग्रेस विरोध से ही बड़ी बनी हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का अपना एजेंडा है। फिलहाल वे दिल्ली के प्रशासन तंत्र पर नियंत्रण को लेकर केंद्र के अध्यादेश पर विपक्ष का समर्थन हासिल करने के प्रयासों में जुटे हैं। वे एक-एक कर विपक्ष के कई दिग्गज नेताओं से मुलाकात कर समर्थन हासिल कर चुके हैं और बैठक से पहले वे इस बात पर जोर देते रहे कि कांग्रेस इस मसले पर अपना रुख साफ करे। दिल्ली व पंजाब कांग्रेस के नेता केजरीवाल के साथ किसी भी संभावित गठजोड़ के प्रति पहले ही असहमति जता चुके हैं। ऐसे में भाजपा नीत राजग के खिलाफ किसी भी गठबंधन को इन अंतर्विरोधों का हल तलाशना होगा। इन सवालों का हल किसी सैद्धांतिक सहमति से नहीं बल्कि जमीनी स्तर पर तालमेल से निकल सकता हैं। फिर राजग के खिलाफ विपक्ष की मुहिम की कमान किसके हाथ में होगी?

पीएम मोदी के खिलाफ सबसे हमलावर नेता राहुल गांधी हैं। वे साफ कहते हैं देश में लड़ाई दो विचारधाराओं की है, जिसमें वे संघ और भाजपा की विचारधारा को नफरत की विचारधारा करार देते हैं और कांग्रेस को भारत जोड़ो की हिमायती बताते हैं। एकता की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का जिम्मा नीतीश को दिया जा रहा है, लेकिन जब पार्टियां चुनाव मैदान में उतरेंगी तब पीएम मोदी के सियासी हमलों का जवाब देने की जिम्मेदारी किसके पास होगी? चुनाव मैदान में कमान राहुल के हाथ में होगी या नीतीश, शरद पवार, स्टालिन, ममता बनर्जी या अन्य किसी नेता के हाथ होगी। सवाल केवल पीएम फेस का ही नहीं चुनाव के दौरान संभावित गठबंधन की एकीकृत कमान कौन संभालेगा या अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग क्षत्रपों के पास रहेगी, यह सवाल भी बहुत अहम है। कांग्रेस व आप के अलावा विपक्ष में ऐसी कई पार्टियां हैं जो पूर्व में भाजपानीत गठबंधन के साथ रह चुकी हैं या उसको समर्थन दे चुकी हैं। उसमें विपक्षी एकता के मुख्य सूत्रधार नीतीश कुमार भी शामिल हैं। ऐसे में क्या कांग्रेस विपक्ष के चुनावी अभियान की कमान राहुल को छोड़ अन्य नेताओं को सौंपने को तैयार होगी? एकता प्रयास एक बड़ी पहल है, लेकिन उसको अभी कई चुनौतियां व सियासी मोड़ पार करने हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

व्यंग्य

स्मार्टफोन की स्मार्ट मुसीबत

रेखा शाह आरबी
व्यंग्यकार

चंपकलाल पहले वह थे और उनकी खुशहाल जिंदगी थी। एक हंसती मुस्कुराती दुनिया जिसमें एक आज्ञाकारी पत्नी थी। जो उनके एक आवाज पर दौड़ी चली आती थी। जिसकी सुबह और शाम चंपकलाल को ही देखकर हुआ करती थी। फिर उनके जीवन में शनि की महादशा शुरू हुई। उनका बुरा वक्त आ गया। जो पत्नी उनकी सुनती थी अब उन्हें रात दिन सुनाती है। आत्मा को जो चोट लगती है सो लगती है, जेब को भी चोट लगाती है। पहले उसका महीने का खर्च दो चार सौ था अब हजारों में है।

देखिए ऐसा कैसे हुआ.. एक दिन चंपक लाल की मति मारी गई। उन्होंने अपनी पत्नी से उसके जन्मदिन पर पूछा- "तुम्हें अपने जन्मदिन पर उपहार में क्या चाहिए।" "अपनी पड़ोसन मिसेज चंद्रा के जैसे बिल्कुल लेटेस्ट मॉडल का स्मार्टफोन मुझे चाहिए।"-पत्नी बोली। चंपकलाल जी मूर्ख और नादान थे। सोचा घर में सब के पास स्मार्टफोन है सिर्फ पत्नी के पास नहीं है, देने में कोई बुराई नहीं है। आजकल छोटी-छोटी बच्चियां लेकर घूम रही हैं, अनपढ़ मूर्ख गवार भी लेकर घूम रहे हैं। तो मेरी श्रीमती तो पढ़ी लिखी और स्मार्ट महिला है। ज्यादा से ज्यादा स्मार्ट फोन से क्या करेंगी, अपने मायके और रिश्तेदारों से बात करेगी। अतः उन्होंने एकदम नया लेटेस्ट मॉडल लाकर दे दिया। लेकिन चंपकलाल जी को यह नहीं पता था स्मार्टफोन सिर्फ नाम के लिए स्मार्ट नहीं है, वह अपने चलाने वाले को भी स्मार्ट बनाता है। सुबह से शाम नहीं हुई सर्वप्रथम उसमें फेसबुक, उसके बाद इंस्ट्रा... ट्विटर, फिर हर सोशल मीडिया साइट पर विजिट कर चुकी थी।

चंपकलाल जी यह देखकर हैरान रह गए कि मात्र एक से दो दिन में हजारों फ्रेंड और फॉलोअर्स बन गए। जाने यह खाली खुली बैठे लोग आते कहां से हैं। जिस पत्नी का सजना सवरना सिर्फ चंपकलाल जी के लिए था, अब उसको सराहना के लिए हजारों लोग हैं। वह अब उनकी तारीफ के लिए मोहताज नहीं है। जिस पत्नी का समय काटे नहीं कटता था, अब उसको समय अभाव रहने लगा। अब चंपकलाल जी का हाल यह है कि पहले उनकी पत्नी उनके खाली समय की राह देखती थी और अब यह आलम है कि चंपकलाल जी को राह देखनी पड़ती है कि कब पत्नी देवी खाली हो। और वह अपनी पसंदीदा चीजें बनवा कर खाएं, जो अब बीते जमाने की बात हो चुकी है। ऐसा नहीं है कि चंपकलाल जी को किसी ने पत्नी को स्मार्टफोन देने का यह मूर्खता भरा कदम उठाने के लिए मना नहीं किया था। चंपकलाल जी के बच्चों ने भरपूर कोशिश की थी कि... "पापा मम्मी को स्मार्टफोन मत दिलवाइए... क्यों अपने सुखमय जीवन को दुखी बनाना चाहते हैं।

पापा आपको शायद पता नहीं है, लेकिन एक बार मम्मी के हाथ में स्मार्टफोन आ गया तो आप के खर्चे बढ़ जाएंगे। आप तरस जाओगे कि पांच मिनट आपके ऊपर ध्यान दें।" लेकिन चंपकलाल जी ने बच्चों की बातें बचपना मानकर अनसुना कर दिये थे। सत्य ही कहा गया है, बच्चे भगवान का रूप होते हैं और चंपकलाल जी ने अपने भगवान की नहीं सुनी। जिसकी सजा कभी जली हुई रोटी तो कभी-कभी जली हुई सब्जी के रूप में खा रहे हैं। लेकिन चंपकलाल जी बेहद नरमदिन इंसान हैं। वह नहीं चाहते कि उन्हें जो दुख गले पड़ चुका है, वह किसी और के गले पड़े।

अपने तो खुद भुगत रहे हैं और अब दूसरों को आगाह कर करके समझा रहे हैं कि... भैया सब कुछ करना लेकिन पत्नी को स्मार्टफोन मत दिलवाना। क्योंकि एक बार यह दे दिया। आपकी क्या किसी की भी नहीं सुनेगी। वैसे तो पहले भी किसी की सुनती नहीं थी। कुछ बंटाधार सास बहू वाले सीरियलों ने पहले ही कर रखा था और जो रही सही कसर थी, अभी यह स्मार्टफोन पूरा कर रहा है। आप भी चंपकलाल की बातों पर गौर फरमाइएगा हो सकता है, आपका भी भला हो जाए।

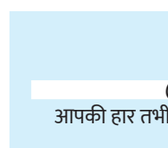

जगदीश वासुदेव, योग गुरु
@SadhguruJV
समय से बंधे हुए, आप जल्दी में हैं। शाश्वत में निहित, आप अनुग्रह द्वारा शासित हैं

विवेक बिंद्रा, उद्यमी
@DrVivekBindra
आपकी हार तभी होती है जब आप हार मान लेते हैं

उज्ज्वल पाटनी, मोटिवेशनल स्पीकर
@Ujjwal_Patni
ठंडा तवा रोटी नहीं सेक सकता, बुझी मोमबत्ती रोशनी नहीं दे सकती और नकारात्मक आदमी कभी हौसला नहीं दे सकता इनसे जितना दूर रहो, उतना अच्छा होगा।

गौर गोपाल दास, मोटिवेशनल स्पीकर
@gaurgopald
सॉरी कहना और समायोजन करना अच्छे रिश्तों के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है। साथ ही, हमें यह सुनिश्चित करने की ज़रूरत है कि प्रक्रिया पारस्परिक है और हम हर समय झुकने वाले नहीं हैं।प्रेरित होने से आती है।

राधानाथस्वामी, आध्यात्मिक गुरु
@radhanathswami
"आपके पास जीवन का यह दुर्लभ मानव रूप है। आपके पास जन्म से परे और मृत्यु से परे अपनी शाश्वत प्रकृति को समझने और महसूस करने का पूरा अवसर है।"

नॉलेज कॉर्नर: डच वैज्ञानिक ने किया था इसका आविष्कार

पानी के अन्दर रहकर काम करती है 'पनडुब्बी'

नजदीक की वस्तुओं को हम आसानी से बिना किसी प्रयत्न के देख सकते हैं। तो दूर की वस्तु देखने के लिए कई संसाधनों का उपयोग करते हैं, जैसे- दूरबीन, कार, बस, ट्रेन इत्यादि। आकाश में छाए बादल हम हवाईयान के माध्यम से सकते हैं, लेकिन इस संसार में कई चीजें ऐसी हैं जिन्हें देख पाना तो दूर, वहां तक पहुंचना भी मुश्किल हो जाता है। इनमें अंतरिक्ष तथा समुद्र के भीतरी जीवों को शामिल किया जा सकता है। समुद्र के भीतर कौन-कौन सी चीजें विद्यमान हैं तथा उन्हें कैसे देखा जा सकता है। इन्हीं तमाम जिज्ञासाओं को शांत करने के लिए एक यान का आविष्कार किया गया, जिसका नाम है पनडुब्बी। दरअसल इसे बनाने का मुख्य उद्देश्य नौसेना में प्रयोग में लाना था। जानते हैं आज के नॉलेज कॉर्नर में...

ऐसे काम करती है पनडुब्बी

पनडुब्बी को सबमरीन भी कहा जाता है। इसका उपयोग नौ सेना में किया जाता है। वर्तमान में इनका प्रयोग पर्यटन के लिए भी किया जाता है। समुद्र के अदंर बसे काल्पनिक संसार को देखने के लिए लोग इसकी सवारी करने लगे हैं। यह एक प्रकार का सिलेंडर नुमा यंत्र होता है, जिसमें एक साथ 50 से 100 लोग सवार हो सकते हैं। इसका सफर करना बेहद कठिन तथा मुश्किल होता है। क्योंकि एक बार समुद्र के भीतर जाने के बाद पनडुब्बी 30 से 40 दिन तक बाहर नहीं आती है। इसमें मौजूद व्यक्ति से सम्पर्क भी नहीं किया जा सकता है। हालांकि बाहरी लोग इसमें बैठे लोगों को गाइड कर सकते हैं। जिससे कि संकट की स्थिति से उबर सकें तथा अपनी स्थिति को बदल सकें। भारतीय नौसेना में डीजल चलित पनडुब्बी का इस्तेमाल किया जाता है। सुरक्षा की दृष्टि से भी इसे बेहतर माना जाता है।

ऐसे बनी पहली सबमरीन

सबसे पहले पनडुब्बी का प्रयोग प्रथम विश्व युद्ध के दौरान किया गया था। विश्व की पहली पनडुब्बी का आविष्कार डच वैज्ञानिक कॉर्नेलिस ड्रेबेल ने वर्ष 1602 में किया था। इसके बाद पहली सैनिक पनडुब्बी 1775 में बनी, जिसका नाम 'टर्टल' था। इस तरह 19वीं शताब्दी तक पनडुब्बी लोकप्रिय हो गई, लेकिन इस समय इन्हें परमाणु शक्ति से चलाया जाता था। इसके बाद ऐसी पनडुब्बी बनाई गई जो समुद्री जल से ऑक्सीजन ग्रहण करने की क्षमता रखती थी। इन आविष्कारों से दुनियाभर में आमूलचूल परिवर्तन देखने को मिले। भारत की पहली पनडुब्बी का नाम 'अरिहंत' है, जिसका अर्थ शत्रु को मारने वाला है।

इसलिए है चर्चा में

सबमरीन पर कई लेखकों ने पुस्तकें, कहानी तथा उपन्यास भी लिखे हैं। हाल ही में इसका नाम दुनियाभर में मशहूर हो गया। दरअसल कुछ अरबपति लोग पनडुब्बी में सवार होकर टाइटैनिक जहाज का मलबा देखने गए थे। इसका नाम टाइटैनिक पनडुब्बी रखा गया था, लेकिन वे सभी लोग जिंदा वापस न लौट सके।

कंटेंट: सुप्रिया सरकार

पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव: हाई कोर्ट ने दिया हलफनामा दाखिल करने का निर्देश

केंद्रीय बलों की 822 कंपनियों की मांग की गई: राज्य निर्वाचन आयोग

एजेंसी | कोलकाता

राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) ने कलकत्ता उच्च न्यायालय को सूचित किया कि उसने केंद्रीय बलों की 485 और कंपनियों की मांग की है। उच्च न्यायालय से कहा कि यह केंद्रीय बलों की 337 कंपनियों की इसके पहले की जा चुकी मांग के अतिरिक्त है। कि पश्चिम बंगाल में आठ जुलाई को होने वाले पंचायत चुनाव के लिए इस तरह केंद्रीय बलों की कुल 822 कंपनियों की मांग की गई है।

मुख्य न्यायाधीश टी एस शिवज्ञानम की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने एक अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि एक हलफनामा दाखिल कर बताएं कि क्या उसने निष्पक्ष और स्वतंत्र पंचायत चुनाव कराने के संबंध में अदालत के आदेश का पालन किया या विभिन्न स्तरों पर आदेश पर अमल नहीं हो उस दिशा में कोशिश की गई। आयोग ने उच्च न्यायालय के आदेशों की जानबूझकर अवज्ञा की।

कोलकता। स्वतंत्र व निष्पक्ष पंचायत चुनाव की मांग को लेकर कोलकाता में प्रदर्शन करते वकील।

आयोग ने यह कहा हाई कोर्ट में

एसईसी के वकील किशोर दत्ता ने पीठ के समक्ष कहा कि आयोग ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र भेजकर केंद्रीय बलों की 485 और कंपनी को भेजने की मांग की है। उन्होंने बताया कि इससे पहले केंद्रीय बलों की 315 और 22 कंपनी की मांग की जा चुकी है। अदालत ने 21 जून को एसईसी को निर्देश दिया था कि 2013 के पंचायत चुनाव में 82,000 जवान तैनात किये गये थे और इस बार उनसे अधिक जवानों की मांग की जाए।

राज्यपाल से मिलने के लिए उपलब्ध

प.बंगाल: राज्य निर्वाचन आयुक्त सिन्हा ने किया स्पष्ट

एजेंसी | कोलकाता

पश्चिम बंगाल के राज्य निर्वाचन आयुक्त राजीव सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि वह राज्यपाल सीवी आनंद बोस के साथ बैठक के लिए हमेशा उपलब्ध हैं। इससे पहले राज्यपाल बोस ने पंचायत चुनाव से पहले सिन्हा के पदभार संभालने

से संबंधित (जॉइनिंग) रिपोर्ट वापस भेज दी थी।

राज्य निर्वाचन आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सिन्हा को बुधवार रात को पदभार संभालने से संबंधित रिपोर्ट राज्यपाल द्वारा लौटाए जाने के मामले में अब तक लिखित संदेश नहीं मिला है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी सिन्हा को पंचायत चुनावों के लिए नामांकन पत्र दाखिल किए जाने के दौरान हत्याओं, हिंसा तथा झड़पों के बारे में जानकारी देने के लिए तलब किया गया था। जब वह राज्यपाल के समझ पेश नहीं हुए तो बोस ने यह कदम उठाया। सिन्हा से जब फोन पर संपर्क किया गया तो उन्होंने मामले में कोई टिप्पणी करने से मना कर दिया।

नीतीश पर लिखी किताब का तीन जुलाई को विमोचन

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जीवन पर लिखी गई एक नयी किताब का लोकार्पण तीन जुलाई को होगा जिसमें उनके निजी और राजनीतिक जीवन की झलक देखने को मिलेगी। प्रकाशक ने बताया कि नीतीश कुमारः अंतरंग दोस्तों की नजर से' शीर्षक वाली पुस्तक का लोकार्पण राजद के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव तीन जुलाई को पटना में करेंगे। लेखक उदयकांत ने नीतीश कुमार की जिंदगी के कम ज्ञात पहलुओं से रूबरू कराने के लिए उनके ऐसे करीबी दोस्तों से कहानियां एकत्रित की हैं जो 50 साल से अधिक समय से उनके संपर्क में हैं। कांत ने कहा कि नेताओं की जीवनी उनकी राजनीतिक यात्रा के ईर्द-गिर्द घूमती है और व्यक्ति के सामने आई परिस्थितियों तथा मानसिकता की बहुत कम जानकारी मिलती है जिनकी वजह से वे मौजूदा मुकाम पर पहुंचे होते हैं।

अपराध शाखा के सामने पेश हुए सुधाकरन

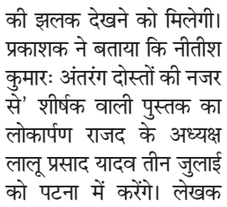

कोच्चि। केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सुधाकरन शुक्रवार को धोखाधड़ी के एक मामले की जांच के सिलसिले में पुलिस की अपराध शाखा के सामने पेश हुए। इस मामले में मुख्य आरोपी प्राचीन वस्तुओं का विवादास्पद कारोबारी मोनसन मावुंकल है। यहां अपराध शाखा कार्यालय के लिए रवाना होने से पहले सुधाकरन ने संवाददाताओं से कहा कि उनकी अंतरात्मा साफ है और उन्होंने कुछ गलत या गैरकानूनी नहीं किया है, इसलिए उन्हें किसी से डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, उनके पास जो सबूत हैं, सामने रखें। मैं जवाब दूंगा।

भाजपा के खिलाफ एकता के लिए विपक्षी दलों की पटना में बैठक

एकता के सुर में आम आदमी पार्टी का असहमति का राग

■ 15 दलों के करीब 30 नेता शामिल थे बैठक में, निशाने पर रही भाजपा

एजेंसी | पटना

विपक्ष के प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं ने अगले लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा उनके दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को एकजुट होकर चुनौती देने का शुक्रवार को संकल्प लिया और वे अब अगले महीने शिमला में आगे के कदमों पर मंत्रणा करेंगे।

दूसरी तरफ, आम आदमी पार्टी (आप) ने विपक्षी एकजुटता की इस पूरी कवायद पर यह कहकर एक तरह का प्रश्नचिह्न भी लगा दिया कि दिल्ली से संबंधित केंद्र के अध्यादेश पर कांग्रेस के अपना रुख स्पष्ट करने तक वह उसकी मौजूदगी वाली किसी भी विपक्षी बैठक में शामिल नहीं होगी।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की मेजबानी में यह बैठक मुख्यमंत्री के आवास '1 अणे मार्ग' पर हुई, जिसमें 15 दलों के करीब 30 विपक्षी नेताओं ने भाग लिया।

अच्छी रही मुलाकात...एक साथ मिलकर लड़ेंगे चुनाव: नीतीश कुमार

विपक्षी दलों की बैठक के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्षी नेताओं के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, काफी अच्छी मुलाकात हुई...एक साथ चुनाव लड़ने और सब तरह की सहमति हो गई है। एक बैठक और होगी। एक बैठक हो जाएगी तो उसमें सारी चीजें अंतिम रूप ले लेंगी। उन्होंने कहा, सब लोग मिलकर चलेंगे, यह देश के हित में है। जो लोग अभी शासन में हैं, वे देश के हित में काम नहीं कर रहे हैं। वे देश का इतिहास बदल रहे हैं कुमार ने दिल्ली से संबंधित केंद्र के अध्यादेश का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए कहा, अगर किसी राज्य के बारे में कोई चुनौती आती है तो सब साथ रहेंगे।

हम सब एक हैं: ममता बनर्जी

तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने कहा, हम एक हैं, हम मिलकर लड़ेंगे। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह सत्ता की लड़ाई नहीं है, बल्कि लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए लड़ाई है। मैं और महबूबा साहिबा मुल्क के उस इलाके से ताल्लुक रखते हैं जहां लोकतंत्र का दिनदहाड़े कत्ल किया जा रहा है। महबूबा ने कहा, हमारी कोशिश यह रहेगी कि हम गांधी के मुल्क को 'गोडसे का मुल्क' नहीं बनने देंगे।

अगली बैठक शिमला में होगी: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि अगली बैठक जुलाई महीने में हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में होगी। सभी नेतागण एक होकर चुनाव लड़ने का एजेंडा तैयार कर रहे हैं। हम सभी जल्दी ही शिमला में मिलेंगे, जहां आगे के लिए निर्णय लिया जाएगा। हम एकजुट होकर 2024 की लड़ाई लड़ेंगे और भाजपा को सत्ता से हटाकर लोकतंत्र की रक्षा करेंगे।

मिलकर करना है काम: राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, यह विचारधारा की लड़ाई है, हम एक साथ खड़े हैं, हमारे बीच थोड़े-बहुत मतभेद हो सकते हैं, लेकिन हमें मिलकर काम करना है।

ये दिग्गज मौजूद थे बैठक में

कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एवं पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन, सपा के प्रमुख अखिलेश यादव, शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और राकांपा के अध्यक्ष शरद पवार ने बैठक में भाग लिया। इनके अलावा द्रमुक नेता और तमिलनाडु के सीएम एम के स्टालिन, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता महबूबा मुफ्ती, भाकपा के महासचिव डी राजा, माकपा के महासचिव सीताराम येचुरी और कुछ अन्य नेता भी इस बैठक में शामिल हुए।

कर्नाटक: सीएम सिद्धरमैया का आरोप

'कमीशन गिरोह' के लिए पिछली भाजपा सरकार जिम्मेदार

एजेंसी | बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शुक्रवार को पिछली भाजपा सरकार को 'वित्तीय अनुशासनहीनता' के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था को ठीक करने में कुछ समय लगेगा। उन्होंने दावा किया कि पिछली सरकार की वित्तीय अनुशासनहीनता के कारण सरकारी ठेकेदारों को परेशानी हुई। उन्होंने ठेकेदारों को आश्वासन दिया कि उनकी सरकार के कार्यकाल के दौरान 'दलाली गिरोह' का भंडाफोड़ किया जाएगा।

सिद्धरमैया ने यहां एक बैठक के दौरान ठेकेदारों से कहा, भाजपा ने जिस अर्थव्यवस्था को पटरी से उतार दिया है, उसे ठीक करने में कुछ समय लगेगा। कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ के अध्यक्ष डी. केम्पन्ना के नेतृत्व में ठेकेदारों ने उनसे ठेकेदारों के 20,000 करोड़ रुपए के लंबित बिल जारी करने और साख पत्र जारी करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें

आश्वासन दिया कि बजट सत्र के बाद बीबीएमपी और वित्त विभाग के सचिवों की समीक्षा बैठक बुलाई जाएगी।

उन्होंने अनुरोध किया कि रोकी गई राशि जारी की जाए और अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा। केम्पन्ना ने बाद में संवाददाताओं से कहा, ठेकेदार संकट में हैं। लंबित विधेयकों के अलावा हमने किसी बात पर चर्चा नहीं की है। उन्होंने इस समस्या का समाधान करने का वादा किया है।

रविंद्र मंच: नाटक 'पेंशन' में कर्मचारियों की मनोदशा पर दर्शकों ने लगाए ठहाके
- पेज 9 पर

शिवकुमार की बोम्मई से भेंट

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को बेंगलुरु में पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई से मुलाकात की और राज्य से संबंधित कई मसलों पर चर्चा की।

दिल्ली अध्यादेश पर कांग्रेस के रुख से आम आदमी पार्टी खफा

जहां कांग्रेस, वहां आप का होना मुश्किल

एजेंसी | नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) ने शुक्रवार को दावा किया कि कांग्रेस ने दिल्ली की प्रशासनिक सेवाओं पर केंद्र के अध्यादेश की सार्वजनिक रूप से निंदा नहीं की है, जिसके चलते पार्टी के लिए विपक्षी दलों की भविष्य की ऐसी बैठकों में भाग लेना मुश्किल होगा, जहां कांग्रेस की मौजूदगी हो। 'आप' ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस की चुप्पी उसके वास्तविक इरादों पर संदेह पैदा करती है। आम आदमी पार्टी ने अपने बयान में कहा, कांग्रेस लगभग सभी मुद्दों पर अपना रुख स्पष्ट करने वाली एक राष्ट्रीय पार्टी है, लेकिन इसने 'काले अध्यादेश' पर अब तक अपना रुख सार्वजनिक नहीं किया है।

कांग्रेस तय करे कि वह किसके साथ

'आप' ने कहा कि अब समय आ गया है कि कांग्रेस तय करे कि वह दिल्ली की जनता के साथ खड़ी है या मोदी सरकार के साथ। उसने आरोप लगाया, व्यक्तिगत चर्चा में, वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने संकेत दिया है कि उनकी पार्टी अनौपचारिक या औपचारिक रूप से राज्यसभा में इस (अध्यादेश) पर मतदान से दूर रह सकती है।

जम्मू में जनसभा में बरसे केंद्रीय गृह मंत्री

घोटालों में शामिल थी संप्रग सरकार: शाह

■ आतंकवादी घटनाओं में 70% की कमी आई
■ पत्थरबाजी की घटनाएं लगभग समाप्त

एजेंसी | जम्मू

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि मोदी सरकार ने देश में भ्रष्टाचार के खात्मे के लिए एक मजबूत नींव रखी है। उन्होंने दावा किया कि पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार 12 लाख करोड़ रुपये के घोटालों में शामिल थी।

शाह ने जम्मू में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस के अलावा नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी पर भी जमकर निशाना साधा। गृह मंत्री ने दावा किया कि 2019 में संविधान के अनुच्छेद-370 से जुड़े प्रावधानों को निरस्त किए जाने के बाद एक नया जम्मू-कश्मीर आकार ले रहा है, जहां आतंकवादी गतिविधियों में 70 प्रतिशत की कमी आई है और पत्थरबाजी की घटनाएं लगभग समाप्त हो गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भ्रष्टाचार-मुक्त भारत के लिए एक मजबूत नींव रखी है।

शाह ने कहा, तीन परिवारों ने जम्मू-कश्मीर पर दशकों तक मिलकर शासन किया, लेकिन अनुच्छेद-370 के कारण कोई विकास नहीं हुआ। आतंकवाद के कारण कम से कम 42 हजार लोगों की मौत हुई और वे कह रहे हैं कि हमें अनुच्छेद-370 को सुरक्षित रखना चाहिए था। गृह मंत्री ने कहा कि वह नेकां अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती से पूछना चाहेंगे कि इन 42 हजार लोगों की मौत के लिए कौन जिम्मेदार है, क्योंकि तब वही लोग सत्ता में थे।

युवाओं को पारदर्शी तरीके से दी नौकरियां

शाह ने कहा कि 2014 के बाद से 28,000 युवाओं को पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरियां दी गई हैं, जबकि 51,000 को स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए गए हैं और 70,000 अन्य को 'मिशन यूथ' से जोड़ा गया है। गृह मंत्री ने बीस मिनट के अपने संबोधन में पंचायती राज संस्था के चुनावों के सफल आयोजन के बारे में भी बात की।

राजस्थान आवासन मण्डल
हमारा प्रयास - सबको आवास

3/4 BHK लक्जरी फ्लैट्स के आवेदन के लिए 7 दिवस शेष

जयपुर में पहली बार 3/4 BHK लक्जरी फ्लैट्स

(गेटेड स्कीम, लैंडस्केपिंग, पर्याप्त सुरक्षा, 24 घंटे बिजली-पानी, क्लब हाउस, स्पोर्ट्स फैसिलिटी, 200Ft. राणा सांगा मार्ग पर)

प्रताप नगर, जयपुर

ग्रीनवुड होराइजन

सेक्टर-28, प्रताप नगर, (रेरा नं. RAJ/P/2023/2410)

योजना स्ववित्त पोषित (SFS) श्रेणी में हैं।

504 आवास

आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून, 2023 तक

90% तक बैंक लोन सुविधा उपलब्ध

रेरा वेबसाइट www.rera.rajasthan.gov.in

हेल्पलाइन नं. कार्यालय समय में: 0141-2744688, 2740009 कार्यालय समय उपरान्त: 9461054291/92/319 एवं 9460254319, शांतनु वार्ष्णेय (9983131666), पवन सोनी (8852000770) या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन (9828363615) से सम्पर्क करें

RHB वेबसाइट के लिए Scan करें

मंडल के हल्दीघाटी गेट पर गुणवत्ता नियंत्रण कार्यालय में स्थापित हेल्प डेस्क की लोकेशन के लिए Scan करें

ग्रीनवुड होराइजन योजना का ब्रॉशर डाउनलोड करने के लिए Scan करें

अधिक जानकारी एवं ऑनलाइन आवेदन के लिए RHB की वेबसाइट
www.urban.rajasthan.gov.in/RHB देखें।

पधारो हुकुम...

पीएम मोदी के राजकीय भोज के लिए व्हाइट हाउस पहुंचने पर स्वागत करते राष्ट्रपति जो बाइडेन व उनकी पत्नी जिल बाइडेन।

शुक्रवार दोपहर के भोज में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ

व्हाइट हाउस में राजकीय भोज में पीएम मोदी व राष्ट्रपति बाइडेन अन्य लोगों के साथ।

व्हाइट हाउस में भारतीय रंग

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस के बाहर पीएम के स्वागत के लिए मौजूद भारतवंशी। -पीटीआई/एपी

रात्रिभोज में पीएम मोदी ने कहा...

हम हेलोवीन के दीवाने, अमेरीकी नाटु-नाटु फैन

एजेंसी | वाशिंगटन

प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन द्वारा व्हाइट हाउस (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) परिसर में आयोजित राजकीय रात्रिभोज में अपने ''बेहतरीन'' मेजबानों की सफलता एवं खुशी की कामना की। इस रात्रिभोज में 400 से अधिक अतिथियों को आमंत्रित किया गया था, जिनमें मुकेश अंबानी, आनंद महिंद्रा, गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई, माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला और एप्पल के सीईओ टिम कुक समेत प्रौद्योगिकी जगत के कई दिग्गज एवं अरबपति उद्योगपति शामिल थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'हर गुजरते दिन के साथ भारतीय एवं अमेरिकी एक दूसरे को बेहतर तरीके से जान रहे हैं। भारत में बच्चे 'हेलोवीन' पर 'स्पाइडर मैन' बनते हैं और अमेरिका में युवा 'नाटु-नाटु' की धुन पर नाच रहे हैं।'' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''अमेरिकी टीम इस साल के अंत में भारत में होने वाले क्रिकेट विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की पूरी कोशिश कर रही है।

मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं और उनकी सफलता की कामना करता हूं।'' मोदी ने रात्रिभोज में अपने संबोधन के दौरान हिंदी में बात की जिसका अंग्रेजी में अनुवाद किया गया।

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी अमेरिकी राजनयिकों और बाइडन प्रशासन के सदस्यों के साथ रात्रिभोज में शामिल हुए।

केंद्र के IAS, IPS व IFS अफसरों के लिए निर्देश

निजी संगठनों से पुरस्कार लेने से पहले लें अनुमति

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र ने निजी संगठनों से कोई भी पुरस्कार स्वीकार करने से पहले आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अधिकारियों के लिए पूर्व स्वीकृति अनिवार्य कर दी है, लेकिन इस शर्त के साथ कि इसमें सुविधाओं के संदर्भ में नकद में कोई मौद्रिक घटक नहीं होना चाहिए।

कार्मिक मंत्रालय ने एक नए आदेश में कहा कि सक्षम प्राधिकारी केवल असाधारण परिस्थितियों में ही अधिकारियों को मंजूरी दे सकता है और ऐसे मामलों में, निजी निकायों/संस्थाओं/संगठनों की साख

बेदाग होनी चाहिए। यह कदम तब उठाया गया है जब सरकार ने देखा कि अखिल भारतीय सेवाओं - भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा और भारतीय वन सेवा के सदस्य मौजूदा निर्देशों के बावजूद निजी निकायों द्वारा दिए गए पुरस्कार या मान्यता स्वीकार कर रहे हैं।

केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों के सचिवों और राज्यों के मुख्य सचिवों को गुरुवार को जारी आदेश में कहा है कि निजी निकायों, संस्थानों या संगठनों द्वारा दिए गए पुरस्कार केवल सक्षम प्राधिकारी की पूर्व मंजूरी के साथ ही स्वीकार किए जा सकते हैं।

राज्य में सेवारत अधिकारियों के मामले में सक्षम प्राधिकारी राज्य सरकार होगी। केंद्र में सेवारत अधिकारियों के मामले में, सक्षम प्राधिकारी संबंधित मंत्रालय/विभाग का सचिव होगा। भारत सरकार के सचिवों के मामले में, सक्षम प्राधिकारी कैबिनेट सचिव होंगे।

शंकराचार्य का पीएम को पत्र

बदरीनाथ की परंपराओं को रखा जाए अक्षुण्ण

एजेंसी। गोपेश्वर

ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बदरीनाथ महायोजना के नाम पर बदरीनाथ धाम की मर्यादा और स्थापित परंपराओं को बर्बाद नहीं करने का आग्रह किया है । प्रधानमंत्री को इस संबंध में शुक्रवार को भेजे अपने पत्र की प्रति यहां मीडिया को जारी करते हुए शंकराचार्य ने कहा कि महायोजना के दूसरे चरण के तहत बदरीनाथ मंदिर के आसपास निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

उन्होंने कहा कि मंदिर से कुछ ही मीटर की दूरी पर स्थित प्राचीन प्रह्लाद और कूर्म धाराओं के जल से धाम के मुख्य पुजारी के अभिषेक की परंपरा है जिसे अक्षुण्ण रखा जाना चाहिए । उन्होंने कहा, निर्माण के नाम पर यहां से जुड़ी परंपराओं से छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए तथा उन्हें अक्षुण्ण रखा जाना चाहिए।

यह भी की मांग

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने पत्र में जोशीमठ भूधंसाव से जुड़ी रिपोर्ट सार्वजनिक करने, हेलंग-मारवाड़ी बाइपास का निर्माण रोकनेऔर जोशीमठ का नाम ज्योतिर्मठ करने का शासनादेश जारी करने की मांग भी की है। गौरतलब है कि स्थानीय लोग निर्माण कार्यों के चलते परिसर के समीप स्थित धार्मिक महत्व की पांच धाराओं में से दो (प्रहलाद और कूर्म धारा) के जलविहीन होने की शिकायत कर रहे हैं।

योगेश्वर ने कुश्ती ट्रायल में छूट पर सवाल उठाया तो भड़की विनेश फोगाट

बृजभूषण का पिछलग्गू बताया, जयचंद से की तुलना

एजेंसी | नई दिल्ली

लंदन ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता योगेश्वर दत्त ने शुक्रवार को एशियाई खेलों और विश्व चैम्पियनशिप के लिए होने वाले ट्रायल से विरोध प्रदर्शन करने वाले छह पहलवानों को छूट देने को लेकर आईओए तदर्थ समिति पर निशाना साधा जिसके बाद विनेश फोगाट ने उन्हें भारतीय कुश्ती संघ के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह का 'पिछलग्गू' करार दिया। उन्होंने योगेश्वर की तुलना जयचंद से करते हुए कहा, जब तक कुश्ती में योगेश्वर जैसे जयचंद रहेंगे, यकीनन जालिमों के हौसले बुलंद रहेंगे। विनेश ने इसके

साथ ही योगेश्वर पर कई गंभीर आरोप लगाए।

भारतीय ओलंपिक संघ तदर्थ समिति ने 16 जून को विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया, उनकी पत्नी संगीता फोगाट, साक्षी मलिक, उनके पति सत्यव्रत कादियान और जितेंद्र किन्हा को सूचित किया था

कि उन्हें भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए अपनी-अपनी श्रेणियों में ट्रायल के विजेताओं का मुकाबला करना होगा। समिति ने छह पहलवानों से यह भी वादा किया कि उनके अनुरोध के अनुसार उनका एक-मुकाबले वाला ट्रायल अगस्त में आयोजित किया जाएगा।

भाजपा के नेता योगेश्वर ने कहा कि भूपेंदर सिंह बाजवा की अध्यक्षता वाली समिति ने ऐसा कदम उठाकर देश के जूनियर पहलवानों के साथ अन्याय किया है।

उन्होंने ट्विटर पर जारी वीडियो में कहा, मुझे समझ नहीं आ रहा है कि ट्रायल के बारे में निर्णय लेने में तदर्थ पैनल ने किन मानदंडों का पालन किया है। वह भी सभी छह पहलवानों के लिए।योगेश्वर डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच करने के लिए खेल मंत्रालय द्वारा नियुक्त छह सदस्यीय निरीक्षण समिति का हिस्सा थे।

जालिम के हक में खड़े हो

योगेश्वर पर निशाना साधते हुए विनेश ने ट्विटर पर लिखा, कुश्ती जगत को आपका बृजभूषण के तलवे चाटना हमेशा याद रहेगा। महिला पहलवानों को तोड़ने में इतना जोर मत लगाओ, बहुत पक्के इरादे हैं इनके। ध्यान रखना कहीं ज्यादा जोर लगाने से कमर न टूट जाए। रीढ़ तो पहले ही बृजभूषण के पैरों में रख चुके हो। तुम बहुत संवेदनहीन इंसान हो। जालिम के हक में खड़े हो, उसकी चापलूसी कर रहे हो।

उसकी घटिया हंसी दिमाग में अटक गई

विनेश ने लिखा, योगेश्वर दत्त का वीडियो सुना तो उसकी वह घटिया हंसी दिमाग में अटक गई। वह महिला पहलवानों के लिए बनी दोनों समितियों का हिस्सा था। जब समिति के सामने महिला पहलवान अपनी आपबीती बता रही थीं तो वह बहुत घटिया तरह से हंसने लगता। जब दो महिला पहलवान पानी पीने के लिए बाहर आयीं तो बाहर आकर उनको कहने लगा कि बृजभूषण का कुछ नहीं होगा, जाकर अभ्यास करो। विनेश ने यह भी आरोप लगाया कि योगेश्वर ने महिला पहलवानों से समझौता करने और बृजभूषण के खिलाफ आरोप वापस लेने के लिए कहा।

पूर्व सीएम रावत की नेपाली पीएम से भेंट

भारत-नेपाल के बीच आपसी विश्वास बढ़ा

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने पड़ोसी देश नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचण्ड' से काठमांडू में शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल न सिर्फ पड़ोसी देश हैं, बल्कि धार्मिक, सांस्कृतिक, भाषाई एवं ऐतिहासिक दृष्टि से भी एक-दूसरे के बेहद करीब हैं।

भेंट के दौरान नेपाल के प्रधानमंत्री ने बताया कि उनकी हाल की भारत यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हुई भेंट और परिचर्चा कार्यक्रमों से नेपाल और भारत में पुनः परस्पर विश्वास बढ़ा है। पूर्व सीएम ने कहा कि हमें विश्वास है

कि प्राचीन सनातन संस्कृति को साझा करने वाले भारत और नेपाल दोनों राष्ट्र अपने संबंधों को इसी प्रकार और मजबूत करते जाएंगे। रावत ने भगवान पशुपतिनाथ से नेपाल की उन्नति और खुशहाली की कामना की।

रविंद्र मंच: नाटक 'पेंशन' में कर्मचारियों की मनोदशा पर दर्शकों ने लगाए ठहाके

...अपने ही दफ्तर में हो गया बेगाना

बेधड़क.जयपुर। यूं तो सरकारी नौकरी सबको अच्छी लगती है, लेकिन कई बार सिस्टम की बेरुखी से सरकारी आदमी भी टूट जाता है और आत्महत्या तक कर लेता है। कलाकारों ने भी मंच पर ऐसी ही कहानी को बयां किया। मौका था रविंद्र मंच पर आजादी के अमृत महोत्सव पर कला, साहित्य और संस्कृति व पुरातत्व विभाग और रविंद्र मंच की ओर से टैगोर थिएटर के तहत नाटक 'पेंशन' के मंचन का। कैलाश सोनी द्वारा लिखित कहानी पर आधारित नाटक का प्रदर्शन खास रहा। एक सरकारी नौकरी करने वाला व्यक्ति रिटायर होने के बाद अपने फंड के पैसों को प्राप्त करने के लिए अपने ही दफ्तर में बार-बार चक्कर पर चक्कर लगाने को मजबूर हो जाता है। अपने ही दफ्तर में अनजान बनकर रह जाता है। आखिर में वह थक-हार कर टूट जाता है और सुसाइड कर लेता है।

फोटो: पंकज शर्मा

लाश थाने पहुंची अपने मर्डर की सूचना देने

इससे पहले उसने अपनी बेटी की शादी रिटायर होने के 2 माह पहले इस आस के साथ तय की थी कि रिटायरमेंट के पैसे से उसके हाथ पीले कर देगा। अब बारात आने में सिर्फ 2 दिन बचे हैं, लेकिन जेब में फूटी कौड़ी नहीं है। सिद्धांतों के चलते किसी के सामने हाथ फैलाना उसे गवारा नहीं है। समाज में उसकी बेइज्जती न हो इसलिए वह दुनिया छोड़ने का फैसला लेता है। हालांकि, कहानी में मोड़ तब आता है, जब वह खुद की लाश और इस वारदात की सूचना पुलिस को स्वयं देता है। पुलिस हैरान है कि खूनी कौन? लाश कहां? अगर लाश इस पेंशनधारी की है तो कातिल कौन? यह सवाल आमजन की आत्मा को झकझोर देता है कि इस हत्या की वजह क्या है? ऐसे में बीयर बार में पुलिस की छानबीन में हास्य के माध्यम से यह गुत्थी सुलझती है और तो दर्शक हंसते-हंसते लोटपोट हो जाते हैं।

अभिनय से किरदारों को किया जीवंत

नाटक में 2 दर्जन से अधिक कलाकारों ने अभिनय से हंसाया और सोचने को मजबूर कर दिया। कैलाश सोनी, कपिल कुमार, काजल सिंह, अनूप, मुस्कान, तन्मय जैन, युवराज, समीर, मोहित, बाबू बाहुबली, नितेश व अन्य कलाकारों ने अभिनय किया। रविंद्र मंच मैनेजर प्रियव्रत सिंह चारण ने बताया कि लोगों में कला व संस्कृति के प्रति रुझान पैदा करने के दृष्टिकोण से नाटक पेंशन का मंचन किया गया। इस दौरान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, फिल्म व टीवी जगत के कलाकार, कलाप्रेमी, साहित्यकार व अन्य उपस्थित रहे।

अलंकृत होंगी 45 प्रतिभाएं

बेधड़क. जयपुर। अखिल भारतीय साहित्य समागम व जयपुर साहित्य सम्मान-2023 अलंकरण समारोह का आयोजन शनिवार और रविवार को किया जाएगा। कार्यक्रम के पहले दिन परिचर्चा होगी और दूसरे दिन 45 लोगों को जयपुर साहित्य सम्मान से नवाजा जाएगा। 2 को बप्पा रावल बाल साहित्य सम्मान, 2 को राणा हम्मीर बाल साहित्य सम्मान, 1 को महाराजा सूरजमल बाल साहित्य सम्मान दिया जाएगा। समारोह में राजस्थान के वरिष्ठ साहित्यकारों की विशेष उपस्थिति रहेगी, जिनमें प्रबोध कुमार गोविल, फारुक अफरीदी, हरदान हर्ष, सत्यदेव बारेठ, प्रभात गोस्वामी, विजय मिश्र दानिश, हेमंत थपलियाल, यशवंत कोठारी, सुधीर सक्सेना सुधी आदि मुख्य हैं। जयपुर की महिला लेखिकाओं में तारामती सैनी, रेणु शब्द मुखर, सुनीता बिश्नोई, शिवानी, उमा उमा आदि भागीदारी करेंगी।

नशा विरोधी पोस्टर का विमोचन

बेधड़क. जयपुर। दुर्गापुरा स्थित ने अंतरराष्ट्रीय नशा विरोधी दिवस पर नव विकल्प नशा मुक्ति संस्थान के नशा विरोधी पोस्टर का विमोचन सामाजिक न्याय एंव अधिकारिता विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने किया। शासन सचिव ने कहा कि समाज में बढ़ रही नशे की समस्या सभी के लिए चिंता का विषय है। संसथान अध्यक्ष हरीश भुटानी ने कहा कि इस समस्या का हल सिर्फ समाज में जन जाग्रति द्वारा ही किया जा सकता है। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एंव अधिकारिता विभाग जयपुर के अतिरिक्त निदेशक बीपी चंदेल तथा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के नोडल अधिकारी पुलकित सैनी भी उपस्थित रहे।

आर्टिस्ट ने दी शो की जानकारी

बेधड़क. जयपुर। 'हम सतह पर जी रहे हैं, जबकि जरूरत गहराई में जाने की है। आर्ट भी एक गहराई है, जिसे समय के साथ जीया जा सकता है। मैं 90 साल का होने जा रहा हूं और अब भी कला को जीता हूं।' यह कहना था 'जयपुर सेंटर ऑफ आर्ट एंड कल्चर (जेसीसीए)' में वरिष्ठ आर्टिस्ट हिम्मत शाह का, जो 2 जुलाई से जेसीसीए में शुरू होने जा रहे शो से पहले बारीकियां बता रहे थे। शो में 'अंडर दी मास्क' कलेक्शन खास होगा, क्योंकि कोरोना काल में तैयार की गई आर्ट डिस्प्ले होगी। कोलकाता के क्यूरेटर ज्योतिर्मय भट्टाचार्य शो का क्यूरेशन करेंगे। जेसीसीए डायरेक्टर मोनिका शारदा ने बताया कि सेंटर हर विधा के कलाकारों के लिए खुला है। शाह ने बताया, 2 जुलाई से 31 अक्टूबर तक चलने वाले शो में 300 कंटेंपररी पेंटिंग्स खास होंगी। चुनिंदा नए स्कल्पचर्स को प्रदर्शित किया जाएगा। इनमें से कुछ में डायमंड का काम किया गया है। साथ ही शाह पर आधारित किताब का विमोचन किया जाएगा और डाक्यूमेंट्री 'पोट्रेट ऑफ दी आर्टिस्ट बायोग्राफी' दिखाई जाएगी। चार महीने तक यहां सिर्फ कला की बात होगी और युवा कलाकार आकर वरिष्ठ कलाकारों से इंटरेक्ट भी करेंगे।

City इवेंट्स

सतपाल सिंह व्यापार मंडल अध्यक्ष बने

बेधड़क. जयपुर। स्वर्ण पथ आदर्श व्यापार मंडल के चुनाव में सतपाल सिंह (राजू सरदार) अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किए गए। संरक्षक तेजवंत सिंह ने बताया कि कार्यकारिणी में सतपाल सिंह (राजू सरदार), सचिव अनिल जैन, कोषाध्यक्ष विजय जैन, उपाध्यक्ष मनदीप मित्तल और संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह चुने गए। इस दौरान व्यापारियों में भारी उत्साह देखने को मिला। सांगानेर से कांग्रेस प्रत्याशी पुष्पेंद्र भारद्वाज ने निर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई दी।

स्वामी टेऊंरामजी का विशेष श्रृंगार

बेधड़क. जयपुर। जवाहर नगर सेक्टर पांच स्थित झूलेलाल मंदिर में सद्गुरु स्वामी टेऊंराम का जन्मोत्सव मनाया गया। सुबह स्वामी टेऊंरामजी महाराज का जन्माभिषेक किया गया। इसके बाद विशेष श्रृंगार हुआ। मुख्य संरक्षक महेश कलवानी ने बताया कि शाम को मंदिर में छप्पन भोग की झांकी सजाई गई। इस दौरान हुए भजन-सत्संग में सभी ने सहयोग किया।

निर्माता-निर्देशक श्रवण जैन का निधन

बेधड़क. जयपुर। राजस्थानी, हिन्दी फिल्मों और अनेक वृत्त चित्रों के निर्माता निर्देशक श्रवण जैन का शुक्रवार सुबह ब्यावर में निधन हो गया। वे 54 वर्ष के थे। प्राप्त सूचना के अनुसार जैन का निधन हार्ट अटैक के कारण हुआ। राजस्थानी सिनेमा विकास संघ के पदाधिकारियों, प्रदेश के कलाकारों और निर्माता-निर्देशकों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। वे पिछले तीन दशकों से अधिक समय से प्रदेश में फिल्म और संगीत के विकास में लगे थे। उनकी बनाई हिंदी फीचर फिल्म प्रभु महावीर की दिव्यवाणी में लगभग 800 कलाकारों ने काम किया था। एक फीचर फिल्म में 23 कहानियां होने के कारण कई रिकार्ड दर्ज हुए थे। उनकी बनाई राजस्थानी फिल्म गूजरी ने यू-ट्यूब में खासी लोकप्रियता हासिल की थी। उनकी राजस्थानी फिल्म परिवार में होवे प्यार रिलीज के लिए तैयार है।

करणसर में दिखा मैराथन का जुनून

'स्वच्छ और स्वस्थ झोटवाड़ा' के लिए दौड़े युवा और बुजुर्ग

बेधड़क | जयपुर

'रन फॉर झोटवाड़ा' का जुनून करणसर ग्राम पंचायत वासियों के सिर चढ़कर बोला। 'स्वच्छ झोटवाड़ा-स्वस्थ झोटवाड़ा' की इस पहल के तहत गांव के रघुनाथ जी मंदिर से जनसेवक आशु सिंह सूरपुरा की अगुवाई में सैकड़ों की संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। इस दौरान बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने खक बाबा धाम तक दौड़ लगाकर स्वस्थ रहने का संकल्प लिया। मैराथन के समापन के बाद खक बाबा धाम पर स्थानीय निवासियों ने आशु सिंह का पगड़ी बंधाकर और फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया।

करणसर ग्राम पंचायत में बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत से ज्यादा अंक हासिल करने वाले 95 प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर उनका हौसला बढ़ाया। सूरपुरा पेंशन योजना के तहत गांव के 11 जरूरतमंदों को तीन तीन महीने की पेंशन देकर सहायता प्रदान की। इसके साथ ही ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने की पहल के अंतर्गत गांव के 11 बुजुर्ग व्यक्तियों के हाथों वृक्षारोपण करवाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

आशु सिंह सूरपुरा की ओर से झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के हर ग्राम पंचायत में रन फॉर झोटवाड़ा और प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन करवाया जा रहा है। इसका शुभारंभ 18 जून से किया गया था।

सुमेधानंद-रंजीता कोली पहुंचे 'सच बेधड़क' चैनल

सांसदों ने समझी न्यूज रूम और स्टूडियो की कार्यप्रणाली

■ फाउंडर-ग्रुप एडिटर विनायक शर्मा से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

बेधड़क | जयपुर

सीकर सांसद सुमेधानंद सरस्वती और भरतपुर सांसद रंजीता कोली शुक्रवार को अलग-अलग समय सच बेधड़क के स्टूडियो पहुंचे। उन्होंने स्टूडियो के साथ ही पूरे ऑफिस की विजिट की। इस दौरान उन्होंने न्यूजरूम से लेकर स्टूडियो तक की कार्यप्रणाली को बारीकी से समझा। साथ ही यह भी जाना कि एक न्यूज का प्रसारण किस तरह से होता है।

इस दौरान दोनों ने सच बेधड़क समाचार पत्र और डिजिटल को भी बारिकियों से समझा। फाउंडर और ग्रुप एडिटर विनायक शर्मा से भी मुलाकात की। सुमेधानंद सरस्वती ने शर्मा से देश-प्रदेश के राजनीतिक हालातों के साथ ही कई मुद्दों पर चर्चा भी की।

सांसद रंजीता कोली ने सच बेधड़क के फाउंडर और ग्रुप एडिटर विनायक शर्मा की तारीफ की और कहा कि कम उम्र में जिस तरह वे काम कर रहे हैं वह काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में सच दिखाना बहुत जरुरी है और वही काम सच बेधड़क की टीम कर रही है।

ललित कला अकादमी | युवा प्रोत्साहन कला शिविर में निर्मित कृतियों की प्रदर्शनी शुरू

जयपुर में सजा प्रदेश के 50 कलाकारों का सृजन

बेधड़क | जयपुर

प्रदेशभर से आकर जयपुर में 50 कलाकारों ने आर्ट का परिचय दिया। उन्होंने अपने सृजन में कई मैसेज दिए और उच्च कला का प्रदर्शन किया।

अब उनका ये ही कलेक्शन और क्रिएटिव आर्ट राजस्थान ललित कला अकादमी की ओर से प्रदर्शित की जा रही है। इसकी शुरुआत शुक्रवार को अकादमी में की गई। गौरतलब है राज्य युवा प्रोत्साहन कला शिविर का आयोजन 12 से 14 जून तक अकादमी संकुल में किया गया था।

प्रदेश भर के कलाकार हैं शामिल

अकादमी अध्यक्ष लक्ष्मण व्यास ने बताया कि शिविर में राज्य के विभिन्न जिलों से 50 कलाकारों को आमंत्रित किया गया था। आमंत्रित कलाकारों ने यहां कलाकृतियों का निर्माण किया। शिविर में निर्मित कलाकृतियों की प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि सरोज कोचर अध्यक्ष संस्कृत अकादमी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशिष्ठ अतिथि कलाविंद राधा बल्लभ गौतम व विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय रजत पंडेल रहे।

28 तक चलेगी प्रदर्शनी

प्रदर्शनी के उद्घाटन पर प्रदर्शनी संयोजक अमित हारित, कोषाध्यक्ष चन्द्रशेखर सैन, लाखन सिंह जाट, पुरखाराम, पंकज यादव सहित शिविर में भाग लेने वाले अधिकांश स्थानीय कलाकार मौजूद थे। अब यह प्रदर्शनी दर्शकों के अवलोकनार्थ 28 जून तक सुबह 11 से शाम 6 बजे तक निःशुल्क खुली रहेगी। ऐसे में युवा कलाकार यहां आकर सीनियर आर्टिस्ट की आर्ट बारीकियों को जान सकते हैं। इससे उनको भविष्य में अपने सृजन को निखारने में मदद मिलेगी।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क

जयपुर, शनिवार, 24 जून, 2023

10

बढ़ती उम्र के साथ अपने अंदर के बचपने को जगा के रखो, अक्सर विपरीत परिस्थितियों में यह बचपना हमारी ताकत बनता है।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड ग्रुप एडिटर, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

तिरंगे से जगमगाई एम्पायर स्टेट बिल्डिंग

न्यूयॉर्क। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा को लेकर गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है। न्यूयॉर्क शहर के लोअर मैनहट्टन में वन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर बिल्डिंग को तिरंगे रंग में रोशन किया गया, वहीं न्यूयॉर्क की एम्पायर स्टेट बिल्डिंग भी तिरंगे रंग में जगमगा उठी। -पीटीआई

सोशल मीडिया पर हुआ था जमकर विरोध

पाक यूनिवर्सिटीज में होली पर बैन लगाने का फैसला वापस

एजेंसी | इस्लामाबाद

भारत के बंटवारे से बने पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर जुल्म होते रहे हैं। पाकिस्तान के उच्च शिक्षा आयोग ने पाक विश्वविद्यालयों में हिंदु स्टूडेंट्स के होली पर प्रतिबंध लगाने का फरमान जारी किया। इस फरमान का सोशल मीडिया पर जमकर विरोध हुआ। इसके बाद कुछ पाकिस्तानी नेताओं ने भी इस फैसले पर ऐतराज जताया। कड़ी आलोचना के बाद अब पाकिस्तानी हुकूमत अपने 'तालिबानी फरमान' से पलट गई है।

पाक के उच्च शिक्षा आयोग ने एक विश्वविद्यालय में होली मनाने पर आपत्ति जताते हुए जारी पत्र को सोशल मीडिया पर विरोध और सरकार के हस्तक्षेप के बाद वापस ले लिया है। एचईसी की कार्यकारी निदेशक ने इस्लामाबाद में कायद-ए-आजम विवि के छात्रों द्वारा होली उत्सव मनाने को लेकर आपत्ति जताते हुए एक पत्र जारी किया था।

पत्र जारी किए जाने के बाद सोशल मीडिया

पत्र जारी किए जाने के बाद सोशल मीडिया पर इसकी बहुत आलोचना हुई और कई लोगों ने एचईसी के शैक्षणिक प्रदर्शन के बारे में सवाल उठाया और उन्हें लोगों की नैतिकता पर ध्यान देने के बजाय शिक्षा स्तर में सुधार करने की नसीहत दी। प्रधानमंत्री की रणनीतिक सुधार इकाई के प्रमुख सलमान सूफी ने स्पष्ट किया कि शिक्षा मंत्री राणा तनवीर हुसैन ने एचईसी को विवादास्पद पत्र वापस लेने का निर्देश दिया। सोहेल के एक बयान के अनुसार, एचईसी देश में मनाए जाने वाले सभी धर्मों, आस्थाओं और विश्वासों और उनसे जुड़े त्योहारों और समारोहों का बहुत सम्मान करता है। एचईसी ने पत्र में स्वीकार किया कि उनके द्वारा दिए गए संदेश की गलत व्याख्या की गई और इस वजह से अधिसूचना वापस ली जा रही है। इससे पहले, शिक्षा मंत्री ने संसद को सूचित किया कि एचईसी ने अपना पत्र वापस ले लिया है, जिसमें होली मनाने पर प्रतिबंध लगाया गया था।

'टाइटैनिक' फिल्म के निर्माता जेम्स कैमरून ने कहा...

100 साल बाद वैसा ही हादसा हैरान करने वाला

एजेंसी | बोस्टन

टाइटैनिक जहाज का मलबा देखने के लिए पनडुब्बी टाइटन में गए यात्रियों की मौत की खबर ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। पनडुब्बी हादसे पर हॉलीवुड फिल्म 'टाइटैनिक' के निर्देशक जेम्स कैमरून ने दावा किया कि ओशियन गेट कंपनी को पत्र लिखकर पहले ही चेतावनी दी थी। इसमें कहा गया था कि वे जो कर रहे थे वो बहुत खतरनाक है। टाइटैनिक का मलबा देखने के लिए खुद 33 बार गहरे समुद्र में उतर चुके फिल्म निर्माता ने कहा कि यह 'बहुत विचित्र' है कि 100 साल से अधिक समय बाद उसी स्थान पर वैसी ही एक घटना हुई।

उन्होंने कहा कि टाइटैनिक के कैप्टन को बार-बार आगे बर्फ के बारे में चेतावनी दी गई थी, लेकिन फिर भी टाइटैनिक अपनी पूरी स्पीड से आगे बढ़ता रहा और हादसे में कई लोगों ने जान गंवा दी। ओशियन गेट कंपनी ने भी इसी तरह चेतावनियों को अनुसना किया और इसका नतीजा हम सबके सामने है। 100 साल बाद ठीक उसी जगह वैसा ही हादसा हैरान कर देने वाला है। उन्होंने कहा कि जेम्स ने 14 और 15 अप्रैल, 1912 को हुई टाइटैनिक दुर्घटना और पनडुब्बी हादसे के बीच की समानताओं से हैरान हूं।

पनडुब्बी में सवार थे अरबपति

टाइटन पनडुब्बी में सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई। पनडुब्बी ऑपरेट करने वाली कंपनी ओशियन गेट ने इसकी पुष्टि की है। पनडुब्बी में सवार सभी लोग डूबे हुए टाइटैनिक जहाज का मलबा देखने के लिए गहरे समुद्र में गए थे, जहां इनका संपर्क टूट गया था। सर्च टीम को टाइटैनिक जहाज के पास लापता पनडुब्बी का मलबा मिला। पनडुब्बी का मलबा मिलने के बाद टीम जांच करने में जुट गई है। टाइटन पनडुब्बी में सवार सभी पांच लोग जाने-माने अरबपति थे। इसमें ओशियनगेट के सीईओ स्टॉकटन रश, शहजादा दाऊद और उनके बेटे सुलेमान दाऊद, हामिश हार्डिंग, और पॉल-हेनरी नार्जियोलेट शामिल थे।

अमेरिकी नौसेना ने सुना था तेज धमाका

टाइटैनिक के डूबने के स्थल से लगभग 500 मीटर दूर समुद्र तल पर पनडुब्बी के पांच बड़े-बड़े टुकड़े मिले हैं। इनका मिलना पहले दिए गए इन समाचारों से मेल खाता है कि टाइटन जब पानी में उतरा था, उसी दिन अमेरिकी नौसेना को एक विस्फोट जैसा जोरदार धमाका सुनाई दिया था। नौसेना के समुद्र तल सेंसर ने उस क्षेत्र में विस्फोट का पता लगाया था, जहां पनडुब्बी का अपने मुख्य पोत के साथ संपर्क टूटा था।

सर्च ऑपरेशन में आई थी काफी दिक्कतें

अचानक लापता होने वाली इस पनडुब्बी को तलाश करना आसान नहीं था। सर्च ऑपरेशन में सबसे ज्यादा दिक्कत सर्च टीम को पानी में विजिब्लिटी की रही। पानी में नीचे ज्यादा दूर तक रौशनी नहीं जा पाती है, जबकि पनडुब्बी करीब 3 किलोमीटर नीचे थी, ऐसे में सर्च टीम को साफ देखने में काफी परेशानी हो रही थी। गौरतलब है कि टाइटैनिक का मलबे तक पहुंचने, वहां घूमने और फिर वापस आने तक का टूर करीब आठ घंटों का रहता है। इसमें दो घंटे टाइटैनिक के मलबे के पास तक जाने में खर्च होते हैं। चार घंटे पनडुब्बी मलबे के आसपास का नजारा दिखाती हैं। इसके बाद लौटने में भी करीब दो घंटे लग जाते हैं।

सऊदी अरब में वार्षिक हज यात्रा सोमवार से होगी शुरू

हज के लिए 15 लाख विदेशी पहुंचे मक्का

एजेंसी | मक्का

सऊदी अरब में वार्षिक हज यात्रा के लिए अब तक करीब 15 लाख विदेशी हाजी पहुंचे हैं। इनमें से अधिकांश हाजी विमान से मक्का पहुंचे। सऊदी अधिकारियों ने कहा कि 2020 में कोरोना वायरस महामारी की दस्तक के बाद यह पहला ऐसा वर्ष है, जब हज यात्रा

का आयोजन बिना किसी प्रतिबंधों के किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सोमवार से शुरू होने वाली हज यात्रा में और विदेशी हाजियों के पहुंचने की संभावना है। हज इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक है और शारीरिक एवं आर्थिक रूप से समर्थ मुस्लिमों से जीवन में कम से कम एक बार हज यात्रा पर जाने के लिए कहा जाता है। यह दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है। सऊदी अरब के मीडिया मंत्रालय ने कहा कि हज के लिए 14.9 लाख से अधिक विदेशी हाजी मक्का पहुंच गए हैं। इनमें से 14.3 लाख हवाई मार्ग से पहुंचे हैं। सऊदी अधिकारियों ने कहा कि हमें उम्मीद है कि वर्ष 2023 में हज यात्रियों की संख्या कोरोनाकाल से पूर्व के स्तर पर पहुंच सकती है। वर्ष 2019 में 24 लाख हाजियों ने हज यात्रा की थी।

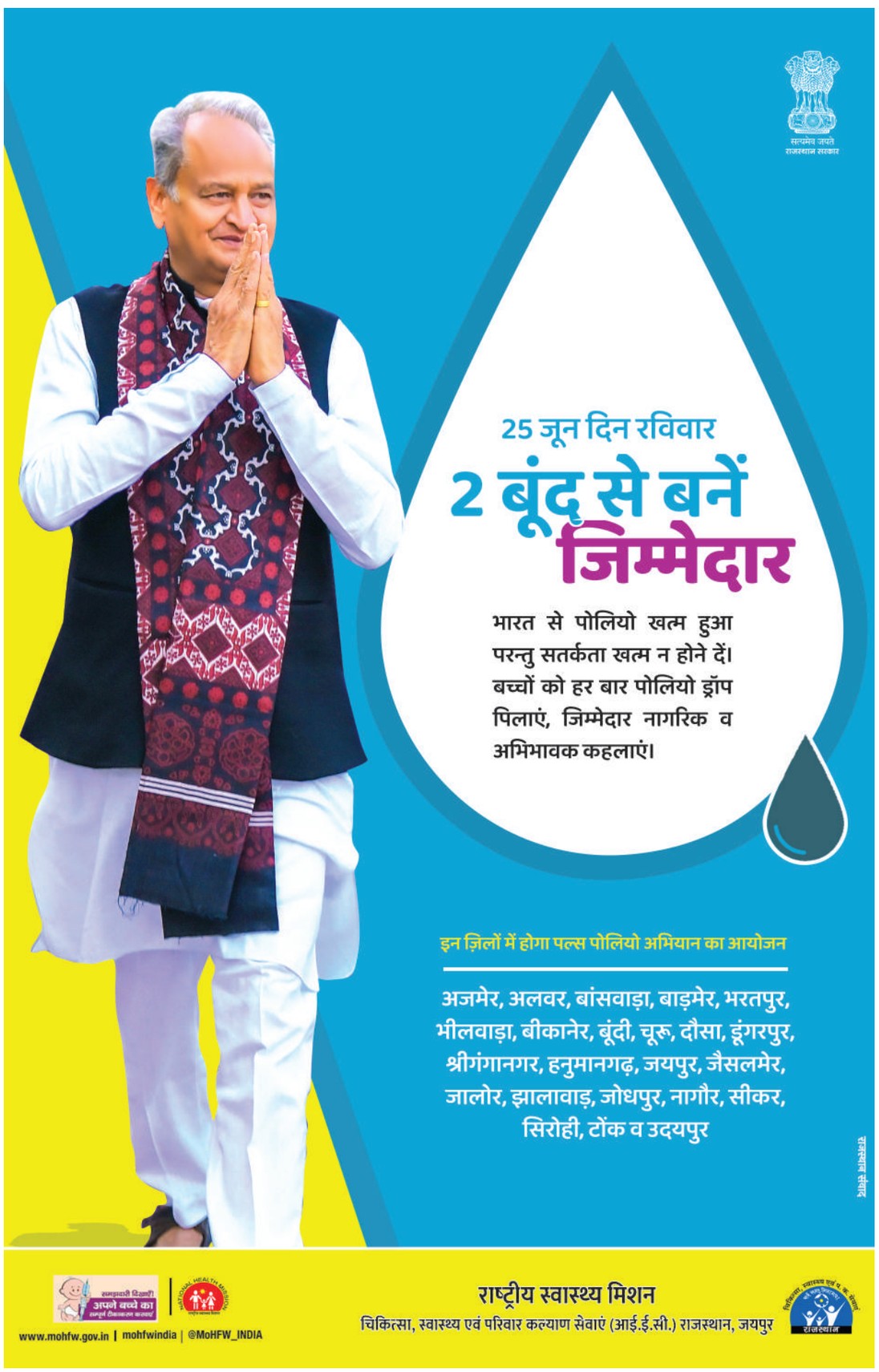

यूक्रेन में स्कूलों पर हमले का मामला

UN की ब्लैक लिस्ट में रूसी सेना

एजेंसी | संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र ने यूक्रेन में संघर्ष के दौरान बच्चों के अधिकारों के हनन, उनकी जान लेने, स्कूलों तथा अस्पतालों पर किए गए हमलों को लेकर रूसी सेना को अपनी वार्षिक काली सूची में डाल दिया है। विश्व निकाय के महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने सुरक्षा परिषद को दी गई रिपोर्ट में कहा कि वह वर्ष 2022 में यूक्रेन में बच्चों के खिलाफ गंभीर उल्लंघन के मामलों की बड़ी संख्या से स्तब्ध हैं। विद्यालयों और अस्पतालों पर हुए ताबड़तोड़ हमलों की संख्या से वह हैरान हैं, बच्चों को हिरासत में लिए जाने को लेकर वह 'चिंतित' हैं और कुछ यूक्रेनी बच्चों को रूस ले जाए जाने को लेकर परेशान हैं। महासचिव ने कहा कि पिछले वर्ष संघर्ष के कारण बच्चे बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने एक क्षेत्र और 24 देशों में 13,469 बच्चों के विरुद्ध गंभीर उल्लंघन की पुष्टि की है। इनमें 2,985 बच्चों की मौत के मामले भी शामिल हैं। गंभीर उल्लंघनों में लड़ाकों द्वारा स्कूलों एवं अस्पतालों पर हमले शामिल हैं।

स्कूलों व अस्पतालों पर 480 से अधिक हमले

महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने कहा कि रूसी सशस्त्र बलों और उनसे संबद्ध सशस्त्र गुटों ने स्कूलों तथा अस्पतालों पर 480 से अधिक हमले किए हैं। इन हमलों में तथा शहरों और कस्बों में की गई गोलाबारी एवं हवाई हमलों में बड़ी संख्या में बच्चे मारे गए हैं। महासचिव ने रूसी बलों से अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने और बच्चों की रक्षा करने की उनकी प्रतिबद्धता का पालन करने का आग्रह किया है।

बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन 85% तक बढ़ा

महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने कहा कि संघर्ष का दायरा व्यापक हुआ है और कई नए क्षेत्र इसकी गिरफ्त में आए हैं। उन्होंने कहा कि म्यामां में घोर उल्लंघनों के मामले 140 फीसदी और दक्षिण सूडान में 135 फीसदी बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि अलकायदा और इस्लामिक स्टेट सहित सशस्त्र समूहों की गतिविधियों में भी तेजी आई है जिससे केंद्रीय साहेल, खास तौर पर बुर्किना फासो में हालात और अधिक बिगड़ गए हैं। इन कारणों के चलते वहां बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन 85 फीसदी तक बढ़ा है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: मनोज माथुर*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl